चैत्र शुक्ल पक्ष- 6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 257 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 मार्च 2026 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
32.3 अधिकतम
18.1 न्यूनतम

Page-7

अटैक रोकने के बाद ट्रम्प का खुलासा - रक्षा मंत्री के कहने पर ईरान पर हमला किया

ईरान को ट्रम्प का सीजफायर मंजूर नहीं, इजराइल पर मिसाइल अटैक जारी

ईरान की ट्रम्प को दो टूक : मुआवजा देकर सभी आर्थिक प्रतिबंध हटाओ... तभी रुकेगी जंग

तेल अवीव/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान के साथ बातचीत और पांच दिनों तक हमले टालने के ऐलान के बावजूद ईरान फिलहाल जंग रोकने को तैयार नहीं है। इस बार उसने तेल अवीव को निशाना बनाते हुए नए मिसाइल अटैक किए हैं। सेंट्रल इजरायल के कई इलाकों में तेज धमाकों की आवाज सुनी गई है। इजरायल की ओर से हमले की पुष्टि की गई है। ईरान का कहना है कि वह मुआवजा मिलने तक लड़ाई जारी रखेगा। वहीं कुवैत ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की बात कही है। इसके चलते इजरायली सेना नागरिकों के लिए आपातकालीन चेतावनी जारी की। सेना के अनुसार, ईरान की तरफ से कई मिसाइलें दागी गई हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है। प्रभावित क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

उधर, एक घंटे के भीतर दूसरी बार कुवैती सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब दे रही है। साथ ही नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स समाचार एजेंसी ने ऊर्जा के बुनियादी ढांचे पर नए हवाई हमलों की खबर दी है। एजेंसी के मुताबिक आज तड़के दो अलग-अलग ऊर्जा स्थलों को निशाना बनाया गया, जिससे पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति और अनिश्चित हो गई है। ये घटनाएं ऐसे समय में सामने आई हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के लिए स्टेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की समय सीमा बढ़ा दी है। ईरान ने कहा है कि वह मौजूदा संघर्ष में पीछे हटने वाला नहीं है और जब तक उसे हुए नुकसान की भरपाई नहीं मिलती, तब तक जंग जारी रहेगी। ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मोहसिन रजेई ने कहा कि ईरान की शर्तें स्पष्ट हैं, सभी आर्थिक प्रतिबंध हटाए जाएं और अमेरिका की ओर से भविष्य में किसी भी तरह की दखलंदाजी न करने की ठोस गारंटी दी जाए। रजाई ने टीवी पर जारी अपने बयान में कहा कि ईरानी सेना पूरी ताकत से ऑपरेशन चला रही है और देश का नेतृत्व नए सुप्रीम लीडर के तहत मजबूती से स्थिति संभाल रहा है। इससे पहले ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ भी कह चुके हैं कि देश के लोग हमलावरों को पूरी सजा देने की मांग कर रहे हैं।

ट्रंप के फैसले से खुश नहीं थे उपराष्ट्रपति वेंस

ईरान को पांच दिन की मोहलत देने के बयान के बाद अब राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के कहने पर ईरान पर हमला का आदेश दिया था। अल जजीरा के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि हेगसेथ सबसे पहले ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के समर्थन में सबसे पहले आगे आए थे। हेगसेथ का मानना था कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना जरूरी है, इसलिए कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि ट्रम्प सरकार के अंदर भी इस मुद्दे पर पूरी सहमति नहीं है। ट्रम्प ने माना कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस फैसले से पूरी तरह खुश नहीं थे, लेकिन उन्होंने खुलकर विरोध भी नहीं किया। वहीं पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका का मकसद ईरान की मिसाइल, ड्रोन और नौसेना ताकत खत्म करना है। लेकिन यह युद्ध कब खत्म होगा, इस बारे में उन्होंने कुछ साफ नहीं कहा।

ईरान को मोहलत या फेस सेविंग की ट्रम्प की नाकाम कोशिश...

ईरान के खिलाफ जंग में ट्रम्प की एकतरफा पांच दिनी रोक से कई सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि अमेरिका की मदद के लिए तैयार हुए ब्रिटेन को फौरी राहत मिल गई है। उसने मदद के लिए खाड़ी में अपने जंगी जहाज को तो खड़ा कर दिया पर उसके इरादे जंग में सिर्फ लॉजिस्टक सपोर्ट तक सीमित हैं। लेकिन, असल धर्म संकट के हालात से तो ट्रम्प को दो चार होना पड़ रहा है। वे इस जंग से कैसे बाहर निकलेंगे इस पर कई संशय हैं। घरेलू मोर्चे से लेकर बाहरी और अमेरिकी कंपनियों पर गहराती मुसीबतों ने उन्हें परेशान कर रखा है।

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

ट्रम्प ने पहले 48 घंटे का अल्टीमेट दिया और उसके खत्म होने पहले ही उनका हमले रोकने और बातचीत से जंग रोकने का बयान आ गया। ट्रम्प ने यह क्यों किया इसके पीछे झांके तो कुछ खास कारण नजर आते हैं -

1- अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने करीब 17 लाख करोड़ रुपए का बजट मांगा। क्योंकि हर रोज़ होते 13 हजार करोड़ रुपए का बोझ पेंटागन झेल नहीं पा रहा। लेकिन संसद में ट्रम्प की पार्टी ही इस बजट के विरोध में है। इसके अमेरिकी कांग्रेस में मंजूरी मिलना बेहद कठिन है।

2 - ताइवान में चिप प्रोडक्शन ठप होते ही अमेरिकी कंपनियों का दबाव पड़ रहा है। ताइवान से सेमीकंडक्टर चिप का सबसे बड़ा आयात अमेरिकी कंपनी ही करती है। उधर ताइवान अपनी 97 फीसदी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर निर्भर है। इसके चलते चिप प्रोडक्शन ठप होने की कगार है। कतर से सप्लाई में बाधा भी है। ऐपल और एनवीडिया जैसी कंपनियों का काम प्रभावित हो रहा है।

3- ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल की माने तो खाड़ी के प्रमुख देशों सऊदी अरब, यूएई और कतर आदि के 40 फीसदी एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर तबाह हो गए हैं। ग्लोबल ऑयल सप्लाई 11 मिलियन बैरल प्रतिदिन घट चुकी है। फर्टिलाइजर और क्रूड आयल से निकलने वाले कई अहम प्रोडक्ट्स की कमी पूरी दुनिया में असंतोष की वजह बन रही है।

4- नाटो से जुड़े कई देशों ने अमेरिका की कई अपील के बावजूद अपनी सेनाओं को नहीं भेजा। ब्रिटेन ने होर्मुज को खुलवाने के लिए युद्धपोत भेजने का ऐलान जरूर किया, पर वॉर जोन में तैनात नहीं किया। अन्य प्रमुख देश जैसे जर्मनी, इटली और तुर्किये ने भी अपने को बयानों तक सीमित रखा।

5- ईरान ने इजराइल के दो परमाणु केंद्रों डिमोना और अरद पर मिसाइल हमले करके इजराइल और अमेरिका को बैकफुट पर ला दिया।

ट्रम्प के वार्ता के दावों को झुठलाते हुए ईरान पलटवार से पीछे नहीं हट रहा, जबकि ट्रम्प किसी तरह अपनी फेस सेविंग के साथ जंग से बाहर निकलने का मन बना चुके हैं।

इसमें उनकी चिंता दुनिया के नुकसान की नहीं बल्कि नवंबर के मिड टर्म चुनाव में खुद को बचाने की ज्यादा दिख रही है। हालांकि यह राह बहुत आसान नहीं जैसा दिख रही है। उन पर अब बयानवीरता भारी पड़ रही है। जबकि, पहले से जमीनी तैयारी करके बैठे ईरान की प्रतिक्रिया कई बार सीमित दिखती है, लेकिन उसका असर व्यापक होता है। डोनाल्ड ट्रम्प की रणनीति में अलग तरह की समस्याएं हैं जिनका जिक्र करना जरूरी नहीं है। उनके बयानों से अमेरिकी नीति का स्पष्ट उद्देश्य धुंधला पड़ गया। जब नेतृत्व का लक्ष्य और संदेश स्थिर न हो, तो रणनीति का प्रभाव भी कमजोर पड़ता है। इसके विपरीत, बेंजामिन नेतन्याहू का रुख अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। इज़राइल की कार्रवाइयों में खुफिया एजेंसी मोसाद की भूमिका और जंग की पूर्व तैयारी स्पष्ट झलकती है। इसका मतलब यह नहीं कि उनकी रणनीति त्रुटिहीन थी, लेकिन यह जरूर दिखता है कि इजराइल का नजरिया काफी हद तक साफ था। यहां असली फर्क 'तैयारी' और 'प्रस्तुति' के बीच का है। ईरान ने कम बोला, ज्यादा सोचा और तय योजना के तहत आगे बढ़ा। जबकि अमेरिका ने ज्यादा बोला, लेकिन उसकी दिशा कई बार बदलती रही। यही कारण है कि यह जंग सिर्फ हथियारों की नहीं, बल्कि विश्वसनीयता की भी बन गई। इसके चलते ही आज बहुआयामी चुनौतियों से घिरे चुके ट्रम्प के लिए अपनी बची खुची इज्जत बचाकर निकलना नामुमकिन सा दिखता है। आगे क्या होगा, अब अमेरिका जाने और उनकी संसद।

न्यूज विंडो

हाईकोर्ट जज के निरीक्षण से तय होगी भोजशाला की दिशा

धार। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला का आज भोजशाला में पहुंचकर निरीक्षण करने का कार्यक्रम है।

स्थिति का जायजा ले रहे हैं। यह कदम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि अदालत अब केवल दस्तावेजों के आधार पर नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत समझकर निर्णय की दिशा तय करना चाहती है। दो अप्रैल को होने वाली सुनवाई से पहले यह निरीक्षण पूरे मामले की दिशा बदल सकता है। इस मामले में पहले ही एएसआई द्वारा विस्तृत सर्वे किया जा चुका है, जिसकी रिपोर्ट में संरचना को लेकर कई महत्वपूर्ण दावे सामने आए हैं।

गाजियाबाद जासूसी नेटवर्क का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

गाजियाबाद. गाजियाबाद में अब तक के सबसे बड़े और खतरनाक ISI जासूसी रैकेट मामले में तीन और को गिरफ्तार किया गया है। मास्टरमाइंड समीर शूटर, समीर और शिवराज को दिल्ली, कौशांबी और शामली से गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से तीन मोबाइल भी बरामद की गई है। आरोप है कि ये सभी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के लिए देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे और गोपनीयसूचनाएं व डाटा सीमा पार पहुंचा रहे थे। गाजियाबाद पुलिस ने अब इस मामले में दर्ज एफआईआर में UAPA की धारा 18 भी जोड़ दी है। गिरफ्तार शिवराज ने सोनीपत रेलवे ट्रैक पर CCTV कैमरा लगवाया था, जिसकी मॉनिटरिंग पाकिस्तान में की जा रही थी।

आज का कार्टून

समाज पर असर डालने वाले सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसले

महिला अफसरों को सेना में स्थायी कमीशन न देना भेदभाव

जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी पेंशन मिलेगी

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा, 'आर्मी, नेवी और एयर फोर्स की महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों को स्थायी कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था।' कोर्ट ने कहा कि महिला अधिकारियों के काम का आकलन इस सोच के साथ किया गया कि उन्हें परमानेंट कमीशन नहीं मिलेगा। जिन महिला अफसरों को गलत या मनमाने मूल्यांकन के कारण कमीशन नहीं मिला, उन्हें अब पूरी पेंशन मिलेगी।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जवल भुइंया और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि इन अधिकारियों की 20 साल की न्यूनतम सेवा पूरी मानी जाएगी, भले ही वे इससे पहले ही सेवा से बाहर हो गई हों। बेंच ने केंद्र सरकार को आगे के लिए साफ और पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने और मूल्यांकन के सभी नियम पहले से

बताने का निर्देश दिया, ताकि भविष्य में भेदभाव न हो। कोर्ट ने मंगलवार को सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन में महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने के मामले में सुनवाई की। सुचेता ईडन समेत अन्य महिला अधिकारियों ने याचिका लगाई थीं, जिनमें 2019 की नीति और आर्म्ड फोर्सेस ट्रिब्यूनल के फैसलों को चुनौती दी गई थी। जिन स्स्ट अफसरों को 2020-21 में नंबर 5 सेलेक्शन बोर्ड या ट्रिब्यूनल) के फैसले के आधार पर पहले ही स्थायी कमीशन मिल चुका है, उनका स्टेटस नहीं बदला जाएगा। जो महिला स्स्ट अफसर (अपीलकर्ता) इस केस के दौरान सेवा से बाहर हो गईं, उन्हें मान लिया जाएगा कि उन्होंने 20 साल की जरूरी सेवा पूरी कर ली है।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को सही ठहराया

धर्म बदला तो खत्म होगा एससी-एसटी का दर्जा

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट को लेकर आज एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने फैसले में कहा कि जो व्यक्ति हिंदू धर्म, सिख धर्म या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाता है, उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने आगे कहा कि किसी अन्य धर्म को अपनाने पर अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत और पूरी तरह से खत्म हो जाता है। कोर्ट ने कहा कि संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 में यह बात साफ कर दी गई थी और इस आदेश के तहत लगाई गई रोक पूरी तरह से लागू होती है। कोर्ट ने साफ किया कि 1950 के आदेश के क्लॉज 3 में बताए गए धर्मों के अलावा किसी और धर्म को अपनाने पर जन्म की स्थिति चाहे जो भी हो, अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत खत्म हो जाता है। फैसले के अनुसार कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाता है, वह संविधान या संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के तहत किसी भी वैधानिक लाभ, सुरक्षा, आरक्षण या अधिकार का दावा नहीं कर सकता और न ही उसे ये लाभ दिए जा सकते हैं। यह रोक पूरी तरह से लागू होती है और इसमें कोई अपवाद नहीं है। कोई भी व्यक्ति एक ही समय पर खंड 3 में बताई गई जाति के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने और उसका पालन करने के साथ-साथ

भोपाल में मुस्लिम समाज का प्रदर्शन बोले-गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करें

भोपाल। पुराने शहर के इतवारा चौराहे पर आज ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के बैनर तले मुस्लिम समाज ने प्रदर्शन कर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और गौ माता के सम्मान में मुस्लिम समाज मैदान में जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शन के दौरान कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा कि उनके मजहब इस्लाम में गाय का मांस खाना और उसका वध करना हराम माना गया है। उन्होंने कहा, हम गौ रक्षा के पक्षधर हैं। हमारे नबी का फरमान है कि न हम गाय को काट सकते हैं और न ही उसका मांस खा सकते हैं। गाय का दूध और घी हमारे लिए उपयोगी बताया गया है, जिसका हम नियमित इस्तेमाल करते हैं।

वृंदावन पहुंचे मुख्यमंत्री मोहन यादव

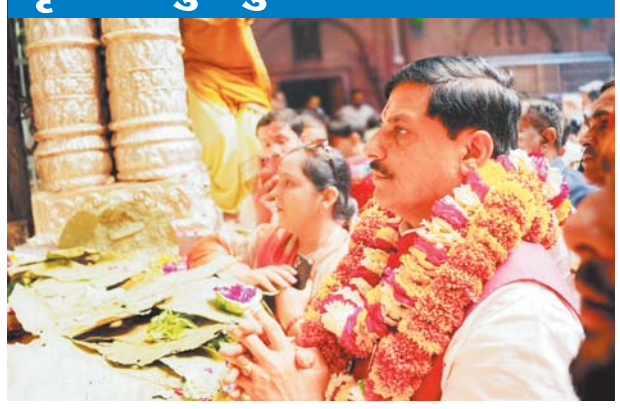

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज वृंदावन धाम स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में ठाकुर जी के दर्शन-पूजन कर सभी के लिए मंगलकामना की।

मेट्रो एंकर | नजदीकी रिश्तेदार ने किया था मूक-बधिर लड़की से दुष्कर्म, कोर्ट ने बरकरार रखी उम्र कैद की सजा

मूक-बधिर रेप पीड़िता ने प्लास्टिक की गुड़िया और इशारों से दी गवाही

बिलासपुर. एजेंसी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मानवीय संवेदनाओं और न्याय के सिद्धांतों को सर्वोपरि रखते हुए एक महत्वपूर्ण फैसले में यौन उत्पीड़न की शिकार एक मूक-बधिर युवती की गवाही को पूरी तरह वैध और विश्वसनीय करार दिया है।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी को सुनाई गई मृत्यु तक उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए आरोपी की अपील को खारिज कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने पीड़िता की शारीरिक अक्षमता को देखते हुए उसके बयान दर्ज करने के लिए एक विशेष प्रदर्शनात्मक पद्धति अपनाई थी, जिसमें एक प्लास्टिक की गुड़िया और

प्रशिक्षित दुभाषिए की मदद ली गई थी। हाईकोर्ट ने इस तकनीक को साक्ष्य जुटाने का एक उचित और न्यायसंगत तरीका माना। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी थी कि ट्रायल कोर्ट का फैसला कानून और तथ्यों के विपरीत है और केवल पीड़िता की गवाही के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती। हाईकोर्ट ने इन तर्कों को सिरे से नकारते हुए कहा कि पीड़िता मानसिक रूप से पूरी तरह सक्षम थी और उसने घटना को पूरी स्पष्टता के साथ संप्रेषित किया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यौन अपराधों के मामलों में यदि सर्वाइवर की गवाही अटूट और आत्मविश्वास पैदा करने वाली है, तो केवल उसी के आधार पर दोष सिद्धि सुनिश्चित की जा सकती है। कानून यह मानता है कि जो गवाह बोल नहीं सकता, वह खुली कोर्ट में इशारों या हाव-भाव से गवाही दे सकता है। ऐसी गवाही को ठोस मौखिक गवाही माना जाएगा। अदालत ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का सही मूल्यांकन किया है और इस मामले में हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है।

घटना के बाद मां को दी जानकारी

कोर्ट ने बातचीत को आसान बनाने के लिए एक प्लास्टिक की गुड़िया मंगवाकर प्रदर्शन का तरीका अपनाया। इस प्रदर्शन के ज़रिए पीड़िता ने इशारों से बताया कि आरोपी ने ज़बरदस्ती उसके साथ यौन संबंध बनाए। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा कि केवल इसलिए कि कोई गवाह बोल या सुन नहीं सकता, उसकी गवाही को न तो खारिज किया जा सकता है और न ही उसे विश्वसनीयता पर संदेह किया जा सकता है। यह मामला जुलाई 2020 का है जिसमें पीड़िता के साथ उसके ही एक करीबी रिश्तेदार ने दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने अपनी मां को इशारों के माध्यम से आरोपी की पहचान और घटना के बारे में जानकारी दी।

नर्मदापुरम पुल बनेगा परियोजना का केंद्र, चौथी लाइन के लिए पुलों का जाल

भोपाल-इटारसी के बीच बढ़ेगी ट्रेनों की रफ्तार, 26 बड़े और 4 छोटे पुल बनेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे ने बीना-भोपाल-इटारसी रेलखंड पर प्रस्तावित 30 नए पुलों के निर्माण में नर्मदापुरम पुल सबसे अहम कड़ी के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। इस परियोजना के तहत चार छोटे और 26 बड़े पुल बनाए जाएंगे, जिनके लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है। करीब 296 करोड़ रुपये की लागत वाली यह योजना रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ-साथ यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

निरीक्षण के लिए पाथवे और रेलिंग की व्यवस्था

परियोजना में नर्मदापुरम पुल को विशेष रूप से डिजाइन किया जा रहा है, जहां हर पुल पर निरीक्षण के लिए पाथवे और रेलिंग की व्यवस्था होगी, ताकि मेंटेनेंस कार्य आसान और सुरक्षित हो सके। हालांकि, रेलवे जलमार्ग पुलों पर कवर शेड की व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे प्राकृतिक जल प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा न आए। यह तकनीकी पहलू पुलों की मजबूती और दीर्घकालिक उपयोगिता को ध्यान में रखकर तय किया गया है।

दो वर्षों में काम होगा पूरा

परियोजना के पूर्ण होने के बाद ट्रेनों की गति बढ़ेगी, लेट-लतीफी में कमी आएगी और यात्रियों का समय बचेगा। साथ ही, बारिश और बाढ़ जैसी परिस्थितियों में भी रेल संचालन सुचारु बना रहेगा, जिससे सुरक्षा का स्तर और मजबूत होगा।रेलवे इस कार्य को दिसंबर 2026 से शुरू कर दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। यह परियोजना भोपाल और आसपास के क्षेत्रों के लिए न केवल यात्रा को बेहतर बनाएगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी नई दिशा देगी। नर्मदापुरम सहित बीना-भोपाल-इटारसी रेलखंड पर बनने वाले 30 नए पुलों से यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा। यह परियोजना न केवल ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाएगी, बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और विकास को भी नई दिशा देगी।

ट्रैफिक प्रबंधन और भविष्य की जरूरतें

जानकारी के अनुसार, इस रेलखंड पर ट्रेनों और मालगाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जिससे मौजूदा ढांचा प्रभावित हो रहा है। ऐसे में नए पुलों का निर्माण ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाएगा और भविष्य की जरूरतों को पूरा करेगा। खासतौर पर नर्मदापुरम और बेतवा क्षेत्र की ओर प्रस्तावित फोर्थ लाइन के लिए ये पुल आधार तैयार करेंगे।

शहर में बढ़ता कचरा संकट : भोजपुर रोड की कॉलोनियां बनीं बदहाली का शिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर की खूबसूरती और स्वच्छता के दावों के बीच भोजपुर रोड क्षेत्र की सच्चाई कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। यहां की सड़कों और कॉलोनियों में कचरे का अंबार लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे स्थानीय रहवासियों का जीवन दूभर हो गया है।

गली-मोहल्ले में कचरे का ढेर

भोजपुर रोड स्थित कॉलोनियों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। कई स्थानों पर कचरा दिनों तक नहीं उठाया जा रहा, जिसके चलते बदबू और गंदगी का माहौल बना हुआ है। स्थिति यह है कि सड़कों के किनारे कचरे के ढेर स्थायी रूप ले चुके हैं।

बीमारियों का बढ़ रहा खतरा

गर्मी के मौसम के साथ यह समस्या और गंभीर होती जा रही है। सड़कों पर सड़ता कचरा मच्छरों और मक्खियों को जन्म दे रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति खासतौर पर खतरनाक बनती जा रही है।

ननि की अनदेखी पर उठे सवाल

लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। नियमित सफाई और कचरा उठाने की व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई नजर आ रही है।

रहवासियों में बढ़ता आक्रोश

क्षेत्र के लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी साफ दिखाई दे रही है। रहवासियों का कहना है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

तुरंत कार्रवाई की जरूरत

शहर को स्वच्छ बनाए रखने के दावे तभी सार्थक होंगे जब जमीनी स्तर पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए। भोजपुर रोड की यह स्थिति प्रशासन के लिए चेतावनी है कि समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, वरना समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

दुर्घटनाएं टालने वाले सात रेलकर्मी पुरस्कृत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में संभावित रेल दुर्घटनाओं को समय रहते टालने वाले सात रेलकर्मियों को संरक्षा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया। मंडल कार्यालय में आयोजित एक समारोह में डीआरएम पंकज त्यागी ने इन कर्मियों के जज्बे की सराहना की।

सम्मान पाने वाले कर्मियों में दीपेश पटेल प्वांट्समेन पावरखेड़ा, केजी साहू गुड्स ट्रेन मैनेजर, उप स्टेशन प्रबंधक लोकेश प्रजापति, गुड्स ट्रेन मेनेजर इटारसी वीरेंद्र कुमार, प्वांट्समेन देवेन्द्र

चौरे पावरखेड़ा, स्टेशन प्रबंधक राजकुमार सिंह और गुना-ग्वालियर सेक्शन में रात्रि गश्त के दौरान ट्रैक मेंटेनर गुना पिन्तूराम मीना शामिल है। इस मौके पर मंडल रेल प्रबंधक ने इन कर्मचारियों की सराहना की। समारोह में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी विजय शंकर गौतम, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय रामेन्द्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे। गौरतलब है कि फरवरी एवं मार्च में मंडल के विभिन्न सेक्शनों में घटित घटनाओं में कर्मचारियों ने अपनी सूझबूझ से असामान्य परिस्थितियों को पहचाना और त्वरित कार्रवाई कर रेल परिचालन को सुरक्षित बनाए रखा।

कमर्शियल गैस की किल्लत से शादी का खाना हुआ महंगा!

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति बंद हुए दो सप्ताह बीत गए। केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद रोज उनकी सीमित आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद जगती है, लेकिन अब तक आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। इस सिलिंडर बंदी ने उत्सवी और मांगलिक भोज पर सीधा असर डाला है।

गैस आपूर्ति बाधित होने से रसोई संचालन महंगा हो गया है, कैटरिंग कारोबारियों ने प्रति थाली दाम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। इवेंट कंपनी संचालक अनूप शुक्ला बताते हैं कि शहर में प्रस्तावित कई कार्यक्रम अब अप्रैल तक टाले जा रहे हैं। आज-कल किसी शादी समारोह में आप देर से पहुंचे तो हो सकता है कि आपको ठंडा भोजन मिले। इसका कारण भी गैस का संकट ही है। कैटरिंग कारोबारी पंकज का कहना है कि बुफे में पहले भोजन को लगातार गर्म रखने के लिए धीमी आंच जलती रहती थी, जिसे गैस सिलिंडर से ईंधन मिलता था। किल्लत की वजह से अब उसे बंद करना पड़ रहा है। थाली में व्यंजनों की संख्या पहले की तुलना में कम हो गई है। ऐसे व्यंजनों को प्राथमिकता दी जा रही है जो ठंडे भी खाए जा सकें। अब तो स्थिति ऐसी है कि बड़े आयोजनों की जिम्मेदारी लेने में भी डर लग रहा है।

मेनू से गायब हुए तंदूरी व्यंजन और लाइव काउंटर

कैटरिंग कारोबारी रोहित कटारिया बताते हैं कि आयोजनों में वे काउंटर बंद कर दिए गए हैं या उनकी संख्या घटा दी गई है, जो वहीं चाट, डोसा जैसे स्टार्टर बनाते थे। तंदूर पर बने व्यंजन भी या तो महंगे हो गए हैं या मेन्यू से हटाए जा रहे हैं। इसके अलावा, रसोइयों को अब सीमित संसाधनों में खाना तैयार करने में अधिक समय लग रहा है। कैटरिंग और इवेंट से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि व्यावसायिक गैस सिलिंडर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। यदि कहीं मिल भी रहे हैं तो उनकी कीमत इतनी बढ़ चुकी है कि उनकी लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

वन्दे मातरम एक गीत ही नहीं , स्वतंत्रता दिलवाने वाला महामंत्र - लोधी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि वन्दे मातरम केवल एक गीत नहीं बल्कि देश को स्वतंत्रता दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला महामंत्र था। श्री लोधी मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय साहित्य संवाद के अंतर्गत राष्ट्रचेता स्व. गुरुदत्त को समर्पित वन्दे मातरम सार्धशती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे । इस आयोजन में उद्घाटन सत्र में गीत विभाजन से राष्ट्र विभाजन तक विषय पर बीज वक्तव्य डॉ.

इंदुशेखर तत्पुरुष ने प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता ऋषिकुमार मिश्र निदेशक मुकिबोध सृजन पीठ ने की। मंच पर श्वेता सिंह रूस, प्रो. राजपक्षे श्रीलंका उपस्थित थे। सभी मंचस्थ अतिथियों का डॉ. विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी ने स्वागत किया । इसके साथ ही बाल साहित्य में राष्ट्र वंदना विषय पर गोपाल माहेश्वरी एवं स्वरांजलि ने अपने विचार रख। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र ने की । इसके साथ ही आधुनिक माध्यमों में वन्देमातरम और वन्देमातरम में गीत संगीत तथा भारत के बाहर भारत विषयों पर केंद्रित विमर्श में, मनोज श्रीवास्तव अशोक जमनानी, नरेंद्र पाठक, डॉ. जवाहर कर्नावट,आदि ने राष्ट्रवादी उपन्यासकार राष्ट्रचेता स्वर्गीय गुरुदत्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा के साथ वन्देमातरम राष्ट्रगीत पर गंभीर विमर्श में महत्वपूर्ण विचार रखे।

चैतीचांद महोत्सव: सांस्कृतिक संध्या और सिंधी मेले का आयोजन

सिंधी गीतों ने कार्यक्रम को बनाया यादगार

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधु नव जागरण समिति, स्वामी शांतिप्रकाश धर्मशाला ट्रस्ट और सिंधु जागृति सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में चैतीचांद पर सांस्कृतिक संध्या और सिंधी मेले का आयोजन किया गया।

साधु वासवानी स्कूल ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में मुंबई के कलाकार कमलेश कपूर, भोपाल की प्रिया ज्ञानचंदानी और इंदौर की कशिश ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में सिंधी गीत पैसो आ पैसो आ पैसो आ, हथ मथे करें व लाल मुंहिजी पत पर प्रस्तुति यादगार रही। कशिश डांस ग्रुप द्वारा सिंधी गीतों पर डांस पेश की गयी। नेन्सी भावनानी ने का संचालन किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा, अध्यक्षता गोविंद गोयल चेंबर ऑफ कॉमर्स व विशेष अतिथि सुशील वासवानी, पार्षद राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारण, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बसंल, जिला मंत्री राकेश कुकरेजा, जिला उपाध्यक्ष विनय दादलानी, कांग्रेस नेता त्रिलोक दीपानी ने भगवान झूलेलाल, सतगुरु स्वामी शांतिप्रकाश महाराज, परमहंस संत हिरदाराम साहिब, सतगुरु स्वामी देवप्रकाश महाराज जी के छायाचित्र पर मालार्पण व दीप प्रज्जवलित किया। अतिथियों का स्वागत समिति अध्यक्ष नरेश चोटरानी, घनश्याम लालवानी, रमेश वाधवानी, सुरेश चोटरानी, आसनदास वाधवानी, राम पारदासानी, महेश खटवानी, हरीश वलेचा, मुरली गुरबानी, मनोहर सतानी, अनिल टेकचंदानी, दिलीप दीनानी, हीरो आडवानी, कमलेश छुगानी, कन्हैया नागदेव ने किया। कार्यक्रम का संचालन माधु चांदवानी व आभार रमेश वाधवानी ने प्रकट किया।

बच्चे बनें शिक्षित और संस्कारवान- सिद्ध भाऊजी

विद्यासागर में स्वागत एवं परिचय सत्र का आयोजन

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल,राधीबाई हासोमल ख्यांतानी फाउंडेशन स्कूल एवं अर्जन हाथीरामानी प्ले स्कूल में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए स्वागत एवं परिचय सत्र का आयोजन किया गया । सत्र का उद्देश्य अभिभावकों को विद्यालय की नियमावली, अपेक्षाएं तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक व रचनात्मक विकास के लिए आयोजित होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई।

सिद्धभाऊजी ने अभिभावकों से कहा कि गृहस्थी का असली सुख संतान में है। माता-पिता अपने बच्चों के लिए बहुत मेहनत करते हैं। संतान अगर आज्ञाकारी और संस्कारी हो तो उनकी यह मेहनत सफल हो जाती है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें संस्कारवान बनाना भी है। प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने सत्र 2026-27 पने अभिभावकों का स्वागत किया। विद्यालय की कोऑर्डिनेटर मिनी धारवा ने गतिविधियों की जानकारी दी। कोऑर्डिनेटर दीपा भागवानी ने अभिभावकों से अपेक्षाओं को रखा। कक्षा प्री-नर्सरी,नर्सरी एवं केजी के नन्हें विद्यार्थियों ने बड़े ही आत्मविश्वास के साथ अपनी उपलब्धियों एवं अनुभवों को साझा किया एवं कक्षा केजी के विद्यार्थियों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कार्यक्रम में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, सहसचिव केएल रामनानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर | मानव संग्रहालय में तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का समापन

लोक संस्कृति और हस्तशिल्प कलाओं का दिखा अनूठा संगम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मानव संग्रहालय में आयोजित तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह में देश के कई राज्यों की पारंपरिक खाद्य, लोक संस्कृति और हस्तशिल्प कलाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध व्यंजन स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। संग्रहालय में आए दर्शक विभिन्न राज्यों के व्यंजनों का आनंद लेते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को भी आत्मसात कर रहे हैं। भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर लाने वाले इस नृत्य कार्यक्रम की शुरुआत केरल के पारंपरिक भैरवी कोलम नृत्य से हुई, जिसमें कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा और सुसंगत ताल के साथ प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद ओडिशा का लोकनृत्य छुटकु छुटा, तमिलनाडु के कलाकारों की पुलियाट्टम, मायलाट्टम एवं मारट्टम, राजस्थान का घूमर और ढोल-नगाड़ों की थाप और पारंपरिक वाद्यों के साथ छत्तीसगढ़ के बस्तर नृत्य का लोगों ने खूब आनंद उठाया। संग्रहालय के जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि भारतीय लोक-संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास सिद्ध हुआ। इस दौरान विविध व्यंजन, नृत्य और काष्ठ कलाओं के प्रदर्शन को सभी ने सराहा। समारोह का मुख्य आकर्षण हस्तशिल्प प्रदर्शनी में पश्चिम बंगाल के प्रख्यात काष्ठ शिल्पकार जयदेव भास्कर की पारंपरिक काष्ठ कला 'काष्ठ कुदाई' रही। उनकी कला में धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीकों में निर्मित काष्ठ मूर्तियों में उल्लू, लक्ष्मी-गणेश, राधा-कृष्ण, एकतारा, बांसुरी आदि का सुंदर प्रतिबिंब दिखा। इसके अलावा कारीगर सैयद नयाज उल्लाह निर्मित 100 वर्ष पुरानी कर्नाटक के चन्नापटना, मप्र के छतरपुर से स्थानीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी में राम कुमार प्रजापति एवं भगवानदास प्रजापति के टेराकोटा कला समेत मिट्टी के उत्पाद जैसे खाना बनाने के बर्तन, मटके, दीपक, घड़े, ग्लास, घरेलू उपयोग की अन्य वस्तुएं प्रदर्शित की गई।

शहीद हेमू कालानी, भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव को याद किया

संतनगर. संस्कार विद्यालय में शहीद हेमू कालानी के जन्मदिवस एवं शहीद भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव के शहीदी दिवस पर उनको याद किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से हुई, संस्था के पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि हम हमेषा महापुरूषों की जीवनी एवं शहादत दिवस को मनाते है और यह हम इसलिए मनाते है ताकि हमें उनकी शहादत और देष के लिए क्या-क्या बलिदान दिया उनके बारे में जान सके, आज हम जो आजादी की सांस ले रहे तो ऐसे ही आजाद नहीं उसके लिए हमारे कई महापुरूषों ने उसके लिए बलिदान दिया है। अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि वास्तव में इतिहास जो है हमारे आने वाले मार्ग को प्रषस्त करता है और हम इतिहास को भूल जाएंगें तो हो सकता है कि हमारे आने वाली राह कठिन होगी। कार्यक्रम में उपस्थित सुरेश जसवानी ने भी अपने विचार रखे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना, छत पर ही है प्रोजेक्ट की अनुमति

सोलर मोहल्ला प्रोजेक्ट केंद्र ने लौटाया, सब्सिडी के पेंच में फंसा नया मॉडल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में सब्सिडी किसे देंगे, इसकी स्पष्टता न होने से सोलर पैनल के मोहल्ला माडल को केंद्र ने खारिज कर दिया। मध्य प्रदेश के इस यूटिलिटी लैंड एग्रीगेशन (यूएलए) प्रस्ताव को खारिज करने के पीछे तर्क दिया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में अभी ग्राउंड माउंटेड सिस्टम (जमीन-आधारित प्रोजेक्ट) की अनुमति नहीं है, केवल घर की छत पर ही प्रोजेक्ट लगाया जा सकता है। वहीं अगर हितग्राही की छत पर सोलर पैनल नहीं लगता तो इसकी सब्सिडी किसे दी जाएगी, यह बात भी प्रस्ताव में स्पष्ट नहीं है।

बता दें कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छतों पर तीन किलोवाट (केवी) तक के सोलर सिस्टम लगवाने पर 40 प्रतिशत से 60 प्रतिशत

तक सब्सिडी दी जाती है, जो 30,000 से 78,000 रुपये तक हो सकती है।

पीएम सूर्य घर योजना में सब्सिडी संरचना इस प्रकार है: एक किलोवाट तक 30,000 रुपये सब्सिडी, दो किलोवाट तक 60,000 रुपये सब्सिडी और तीन किलोवाट या उससे अधिक पर 78,000 रुपये तक की अधिकतम सब्सिडी दी जाती है।

क्या है यूटिलिटी लैंड एग्रीगेशन का मोहल्ला मॉडल?- मध्य प्रदेश नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के यूटिलिटी लैंड एग्रीगेशन के मोहल्ला माडल में किसी एक व्यक्ति के घर की छत पर सोलर पैनल लगाने के बजाय मोहल्ला चिन्हित कर उसके पास बड़ा प्रोजेक्ट लगाया जाना प्रस्तावित था। उससे उत्पादित बिजली को बैटरी स्टोरेज कर घरों में मांग के अनुरूप आपूर्ति की जाती। प्रस्ताव में बिजली कंपनियां या स्टेट नोडल एजेंसी द्वारा अपने खर्च पर सोलर प्रोजेक्ट लगाने और घरों में मांग के अनुसार बिजली सप्लाई की तैयारी थी। राज्य सरकार को इस पूरे प्रोजेक्ट से प्रदेश में 3,500 मेगावाट सोलर ऊर्जा उत्पादन की संभावना थी।

ग्राउंड माउंटेड सिस्टम और वर्तमान व्यवस्था में अंतर

ग्राउंड माउंटेड सिस्टम एक सौर ऊर्जा प्रणाली है जिसमें सोलर पैनलों को छत पर लगाने के बजाय, जमीन में स्टील के खंभों या बीम के सहारे लगाया जाता है, जिससे पैनलों को सूर्य की दिशा के अनुसार समायोजित किया जा सकता है। इसका रखरखाव भी आसान है और बड़े इंस्टालेशन की क्षमता होती है, खासकर उन जगहों के लिए जहां छत पर जगह कम हो या अनुपयुक्त हो। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में रूफटाप सोलर स्टेंडर्ड्स में व्यक्ति अपनी जेब से खर्च करता है और सब्सिडी का लाभ लेता है। इससे उसकी बिजली का बिल कम हो जाता है। यहाँ मप्र सरकार का प्रयास है कि बिजली कंपनी अपने खर्च से प्रोजेक्ट लगाए और घरों को बिजली सप्लाई करे।

नए सिरे से भेजा जाएगा प्रस्ताव: अपर मुख्य सचिव

भारत सरकार ने यूटिलिटी लैंड एग्रीगेशन माडल का प्रस्ताव लौटा दिया है, इसमें जो आपत्तियां की गई थीं, उन्हें हटाकर नए सिरे से प्रस्ताव बनाकर पुनः भारत सरकार को भेज रहे हैं। यह जानकारी मप्र नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने दी है।

सीएम मोहन यादव ने यूपीएससी -2025 के 61 चयनित युवाओं से किया संवाद, बोले-

यूपीएससी परीक्षा की सफलता में मप्र की बढ़ती मौजूदगी सबके लिए गौरव का क्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए सोमवार का दिन बेहद खास रहा। युवाओं का मार्गदर्शन करने और उन्हें प्रेरणा देने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी-2025) में चयनित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा किया। प्रदेश से 61 अभ्यर्थियों को यूपीएससी 2025 की परीक्षा में चयन हुआ हैं। उन्होंने अपनी सफलता की कहानी बताई और विजय के मंत्र दिए। दूसरी ओर, सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी उन्हें प्रदेश का गौरव बताया और उत्तरदायित्व की परिभाषा समझाई। उन्होंने चयनित युवाओं से कहा कि वे अधिकारी बनने के बाद ठहराव स्वीकार न करें, उससे आगे निकलें। इसके अलावा उन्होंने अभ्यर्थियों को अपनी अपेक्षा के बारे में भी बताया। इस मौके पर 'प्रतिभाओं का वर्जन' पत्रिका का अनावरण किया गया और चयनित अभ्यर्थियों की सफलता पर आधारित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षण मध्यप्रदेश के लिए संकल्प, सामर्थ्य, ऊर्जा और आनंद का है। उन्होंने कहा कि ये अभ्यर्थी पूरे प्रदेश का गौरव हैं और जब देश आजादी के अमृतकाल-2047 की ओर बढ़ेगा, तब यही युवा उच्च पदों पर रहकर उस समय के साक्षी बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूपीएससी में चयन के बाद युवाओं के सामने नई जिम्मेदारी आती है और यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में सेवा करने का बड़ा अवसर है। इस बार टॉप रैंक में भी मध्यप्रदेश के बच्चों ने जगह बनाई है, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

अभ्यर्थियों को लगातार पढ़ने की दी सलाह

सीएम ने कहा कि सफलता के साथ जिम्मेदारी आती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि लोकतंत्र की खूबसूरती है कि एक चाय वाला प्रधानमंत्री और एक सामान्य परिवार से आने वाला व्यक्ति मुख्यमंत्री बन सकता है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे शहरों से भी प्रतिभाएं निकल रही हैं और पढ़ाई की कोई उम्र नहीं होती, इसलिए हमेशा सीखते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब चयनित युवाओं को अपने परिवार के साथ-साथ पूरे समाज और क्षेत्र की जिम्मेदारी उठानी है। उन्हें शासन की योजनाओं को जमीन पर उतारने का अवसर मिलेगा और लोगों के जीवन में बदलाव लाने का मौका भी। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस का उदाहरण देते हुए कहा कि समय के अनुसार निर्णय लेना जरूरी होता है। आज देश के लिए जीने और योगदान देने का समय है।

सीएम की युवाओं से अपेक्षाएं

सीएम ने अभ्यर्थियों से अपनी अपेक्षाएं बताते हुए कहा कि आप गरीबों की मदद करें, नवाचार और आत्मनिर्भरता को अपनाएं, समय का सही उपयोग करें और ईमानदारी और सत्य के मार्ग पर चलें।

युवाओं की प्रेरणादायक बातें

5वीं रैंक हासिल करने वाले ईशान भटनागर ने कहा कि सफलता के पीछे कड़ी मेहनत और स्पष्ट उद्देश्य होना जरूरी है। वहीं 260वीं रैंक लाने वाली प्राची चौहान ने कहा कि एक सामान्य परिवार की बेटी के लिए यह गर्व का क्षण है और वह प्रदेश व देश का नाम रोशन करने का संकल्प लेती हैं।

मध्य प्रदेश में बाघों की मौत का अलार्म

15 महीनों में 64 बाघों की मौत, 25% करंट से

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में बाघों की मौत के मामले चिंता बढ़ा रहे हैं। पिछले 15 महीनों में प्रदेश में 64 बाघों की मौतें दर्ज की गई है, इनमें से 16 की मौत करंट लगने से हुई है। यह स्थिति बाघ के जंगलों से निकलकर गांवों और खेतों की ओर बढ़ने से पैदा हुई है। कई इलाकों में किसान जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए खेतों के चारों ओर तारों में बिजली का करंट दौड़ा देते हैं। यही करंट बाघों के लिए घातक साबित हो रहा है। मंडला और जबलपुर संभाग में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां करंट लगने से बाघों की मौत हुई। वन विभाग के अनुसार करंट से मौतों के अलावा कुछ मामलों में बाघों की मौत आपसी संघर्ष या प्राकृतिक कारणों से भी हुई है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जनवरी के दौरान आपसी लड़ाई में बाघों की मौत के मामले सामने आए हैं, जबकि अन्य वन क्षेत्रों में भी अलग-अलग कारणों से बाघों की जान गई।

पिछले साल भी सामने आए थे कई मामले-

वर्ष 2025 में भी प्रदेश में 53 से अधिक बाघों की मौत दर्ज की गई थी। इनमें कई मौतें करंट लगने के कारण हुई थीं, जो वन्यजीव संरक्षण के लिए गंभीर चुनौती मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि भोजन और पानी की तलाश में बाघों का जंगल से बाहर निकलना बढ़ रहा है। यही कारण है कि वे रिहायशी इलाकों और खेतों तक पहुंच रहे हैं, जहां मानव गतिविधियों के कारण उनके लिए खतरे बढ़ जाते हैं।

करंट से मौत के मामले-

9 जनवरी 2026 – पूर्वी मंडला वनमंडल मादा बाघ।
16 जनवरी 2026-बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मादा बाघ।
1 फरवरी 2026- उत्तर शहडोल वनमंडल मादा बाघ।
2 फरवरी 2026- उत्तर शहडोल वनमंडल नर बाघ।
5 जनवरी 2025 -पेंच टाइगर रिजर्व मादा बाघ।
6 फरवरी 2025 -बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व नर बाघ।
2 मई 2025 - बुरहानपुर वनमंडल मादा बाघ।
21 जुलाई 2025 - कान्हा टाइगर रिजर्व नर बाघ।
18 अगस्त 2025 - संजय टाइगर रिजर्व नर बाघ।
11 दिसंबर 2025 - दक्षिण बालाघाट वनमंडल नर बाघ।
13 दिसंबर 2025 - उमरिया वनमंडल नगर बाघ।
28 दिसंबर 2025 - दक्षिण सागर वनमंडल नर बाघ।
7 जुलाई 2025- दक्षिण सिवनी वनमंडल नर बाघ।
26 जुलाई 2025- बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व नर बाघ।
12 अक्टूबर 2025- उत्तर बालाघट वनमंडल नर बाघ।
26 अक्टूबर 2025- उत्तर बालाघाटन वनमंडल नर बाघ।

अब निरीक्षण करने रोज 10 बजे निकलेंगे

सिंहस्थ कार्यों में देरी से नाराज मेला अधिकारी, ठेकेदार पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन के संभागायुक्त और मेला अधिकारी आशीष सिंह अब प्रतिदिन सुबह 10 बजे से सिंहस्थ निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे। पहले ही दिन निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन दताना से पाइप फैक्ट्री तक फोरलेन मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य की गति धीमी होने और निर्माण सामग्री की परीक्षण प्रयोगशाला में कैलिब्रेशन सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं होने पर सिंह ने निर्माण कार्य करने वाले संबंधित ठेकेदार पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगा दी। मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सिंहस्थ के तहत दताना से पाइप फैक्ट्री तक कुल 8.8 किलोमीटर तक निर्माणाधीन फोरलेन मार्ग के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। सिंह ने निर्माण कार्य में उपयोग की जाने वाली सामग्री की परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। परीक्षण प्रयोगशाला में निर्माण एजेंसी द्वारा कैलिब्रेशन सर्टिफिकेट (अंशांकन प्रमाण पत्र) उपलब्ध नहीं होने पर नाराजगी जताई।

कम मजदूर होने पर जताई नाराजगी

मार्ग निर्माण के दौरान क्षेत्र में मजदूरों की संख्या कम होने से कार्य की धीमी गति को लेकर भी आशीष सिंह नाराज दिखे। उन्होंने निर्माण कार्य करने वाली संबंधित एजेंसी बिंदल कॉन्ट्रैक्टर एंड डेवलपर्स पर 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण यंत्री गणेश पटेल को दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि फोरलेन निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री की टेस्टिंग रिपोर्ट प्रतिदिन अपडेट की जाए। निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता के साथ समय-सीमा का पूर्ण ध्यान रखा जाए। मेला अधिकारी सिंह ने हामूखेड़ी में मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर संबंधित निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा जानकारी दी गई कि हामूखेड़ी मार्ग के 900 मीटर के चौड़ीकरण में मार्ग के दोनों ओर 200 मीटर तक सीवेज लाइन और पानी की पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है। यहां पर पानी की पाइपलाइन से नल कनेक्शन भी दिए गए हैं। मेला अधिकारी सिंह ने नानाखेड़ा गेल चौराहे से नीलगंगा चौराहे तक 2700 मीटर निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि चौड़ीकरण कार्य तेजी से किया जा रहा है। वर्षा ऋतु प्रारंभ होने तक 1150 मीटर तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है।

इंदौर हुकुमचंद मिल विवाद, 'सिटी फॉरेस्ट' की मांग खारिज; NGT ने हाईकोर्ट के फैसले को माना अंतिम

भोपाल। राष्ट्रीय हरित अधिकरण की सेंट्रल जोन बेंच ने इंदौर स्थित हुकुमचंद मिल परिसर को ÷सिटी फॉरेस्ट÷ घोषित करने और वहां प्रस्तावित निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया कि इस मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय पहले ही विस्तृत आदेश दे चुका है, इसलिए इसमें दोबारा हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। यह याचिका राजेन्द्र सिंह द्वारा दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि हुकुमचंद मिल परिसर पिछले 30 वर्षों में प्राकृतिक रूप से हरित क्षेत्र में बदल चुका है और यह शहर के लिए शहरी जंगल जैसा कार्य कर रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य से पेड़ों की कटाई, प्रदूषण में वृद्धि, तापमान बढ़ने और जैव विविधता को नुकसान होने की आशंका जताई थी। हालांकि, एनजीटी ने पाया कि इसी मुद्दे और तथ्यों के आधार पर इंदौर हाईकोर्ट में पहले ही रिट याचिका दायर की जा चुकी थी, जिसे 10 सितंबर 2025 को खारिज कर दिया गया था।

युद्ध का असर : यूरोप-दुबई की बुकिंग कैंसिल

सिंगापुर-वियतनाम बने इंदौरियों की पसंद

इंदौर, दोपहर मेट्रो

गर्मी की छुट्टियों में इंदौर से हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक विदेश यात्रा करते हैं, लेकिन मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण इन देशों की यात्रा पर ब्रेक लग गया है। इसका कारण असुरक्षित माहौल, फ्लाइट की संख्या में कमी और अधिक किराये को माना जा रहा है। इस सीजन में पर्यटक पश्चिमी यूरोप, दुबई और अबू धाबी और अमेरिका की यात्रा करना अधिक पसंद करते हैं। आम तौर पर फरवरी से बुकिंग शुरू हो जाती है, लेकिन युद्ध के हालातों के चलते जिन पर्यटकों ने इन देशों के लिए बुकिंग करवाई थी, उन्होंने बुकिंग निरस्त करवा दी है और नई बुकिंग शून्य है। युद्ध को देखते हुए पर्यटक उन

देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं जो सुरक्षित हैं, फ्लाइट उपलब्ध हैं और किराया भी कम है। पर्यटन से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार यूरोप और अमेरिका के टूर सात से चौदह दिनों के होते हैं। आम तौर पर यूरोप और अमेरिका की यात्रा के दो रास्ते हैं। या तो पर्यटक इन देशों के लिए सीधी फ्लाइट ले या वाया दुबई जाए, लेकिन युद्ध के कारण ये दोनों मार्ग प्रभावित हुए हैं।

इन देशों को प्राथमिकता दे रहे पर्यटक

टूर एंड ट्रैवल एजेंसी के संचालक राजेश च ैबे के अनुसार इस साल पर्यटकों की पसंद वियतनाम, बाली, सिंगापुर, थाईलैंड और जापान जैसे देश हैं। ये देश युद्ध से प्रभावित नहीं हैं और न ही यहां फ्लाइट से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं। इसके अलावा जहां एक ओर डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने के कारण अमेरिका और यूरोप की यात्रा पर्यटकों को महंगी पड़ती है, तो वहीं उक्त देशों की करेंसी की तुलना में रुपये मजबूत स्थिति में हैं और पर्यटकों को सस्ती यात्रा का आनंद लेने का मौका मिल जाता है।

हे प्रभु! | **16 जिलों में दीमक चाट गए बस्ते, सड़ गए पन्ने, हेरफेर बढ़ने की आशंका**

मंदिरों और औकाफ का पूरा रिकॉर्ड हुआ नष्ट

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

पूरे मध्य प्रदेश में जमीनों के घोटाले और रिकॉर्ड में हेरफेर के लिए कुख्यात ग्वालियर के माफी औकाफ में अब मंदिरों का रिकॉर्ड भी सड़ाया जा रहा है। संभागायुक्त कार्यालय के अंतर्गत आने वाले रिकॉर्ड रूम में यही हालात हैं। यह बेपरवाही है या षड्यंत्र, यह तो जांच में पता चलेगा लेकिन यहां आठ कमरों का माफी औकाफ का रिकॉर्ड दो कमरों में ठूंस दिया गया है, जिसके बाद हालात बद से बदतर हैं। रिकॉर्ड रूम में माफी के रजिस्टरों में दीमक घुस चुकी हैं, बस्तों के पन्ने सड़कर टपकर रहे हैं, कौन सा रिकॉर्ड कहां रखा है कुछ पता ही नहीं है। यहां वर्ष 1920 तक के रिकॉर्ड रखे हुए हैं, रियासत काल का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा गया था।

पहले मोतीमहल के आठ कमरों में ग्वालियर संभाग के जिलों के मंदिरों

का रिकॉर्ड रखा हुआ था, जिसे शिफ्ट कर यहां दो कमरों में कचरे की तरह भर दिया गया। यहां ग्वालियर स्टेट में शामिल रहे मध्य प्रदेश के 16 जिलों का माफी रिकॉर्ड जमा है, जिनमें ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, भिंड, श्योपुर, अशोकनगर, मुरैना सहित टीकमगढ़, छतरपुर और जबलपुर जिले शामिल हैं।

संभागीय माफी कार्यालय की मानीटरिंग की जिम्मेदारी संभागायुक्त की होती है, जो कि वर्तमान में मनोज खत्री हैं। अब रिकॉर्ड ही पूरा नष्ट हो जाएगा तो जमीनों में हेरफेर कौन रोक सकता है, यह पूरे सिस्टम पर बड़ा सवाल है।

लिखा है सरकार श्रीमंत महाराज जीवाजीराव साहेबमाफी के रिकॉर्ड

रूम में इतना पुराना रिकॉर्ड है कि पेज पीले पड़ गए हैं, कोई हाथ लगा दे तो टपक कर गिर जाए। यहां एक रजिस्टर पर सरकार श्रीमंत महाराज जीवाजीराव साहेब शिंदे, आलीजाह सन 1920 ई संवत 1985 लिखा है। रिकॉर्ड रूम में कार्यालय संभाग आयुक्त ग्वालियर का पेज चिपका हुआ है। एक बस्ते पर तहकीकात मिसलें, परगना-मेहगांव व नए व पुराने क्रमांक लिखे हैं। महत्वपूर्ण रिकॉर्ड इस तरह सड़कर नष्ट हो जाने से माफी की संपत्तियों को लेकर बड़े हेरफेर हो सकते हैं। ग्वालियर संभाग में पहले ही करोड़ों के जमीन घोटाले चल रहे हैं, एक मामला तो 1200 करोड़ का लंबित है, जिसमें माफी की संपत्तियों को दूसरे के नाम चढ़ा दिया गया।

- माफी रिकॉर्ड रूम दो कक्षों में है इसके लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए। प्रयास किए जा रहे हैं कि रिकॉर्ड डिजिटलाइज हो जाए। यहां माफी का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड है जिसे पूरी तरह सुरक्षित किया जाएगा
– सपना तिवारी, संभागीय माफी अधिकारी, ग्वालियर।

जंग में ठहराव की उम्मीद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी ठिकानों पर पांच दिनों तक हमला नहीं करने का ऐलान किया है। अगर वह अपनी इस बात पर कायम रहते हैं, तो 28 फरवरी से शुरू हुए मौजूदा युद्ध में यह सबसे सकारात्मक बात होगी। इससे यह छोटी-सी उम्मीद बंधती है कि होर्मुज स्ट्रेट पर ट्रंप के 48 घंटे वाले अल्टीमेटम के बाद जो युद्ध और तेज होता दिख रहा था, अब शायद उसमें थोड़ा ठहराव आए। ट्रंप ने दावा किया है कि मौजूदा संकट को लेकर उनकी तेहरान के साथ बातचीत हुई है और यह बेहद सकारात्मक रही। ईरान की तरफ से ऐसी किसी बातचीत का खंडन आया है। हालांकि अगर वार्ता की थोड़ी-सी भी गुंजाइश बनती है, तो सभी पक्षों को उसे दोनों हाथों से थामना चाहिए। इस संकट का केवल एक ही हल है, बातचीत। ट्रंप अगर अपनी तरफ से भी हमलों में कमी लाते हैं, तो वार्ता का रास्ता खुल सकता है। पश्चिम एशिया के दूसरे देशों को भी इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। दुनिया किस बेताबी से शांति की राह देख रही है, इसका अंदाजा इस बात से लगता है कि भले ही ट्रंप ने पूरी तरह से युद्धविराम नहीं किया, पर क्रूड ऑयल के दाम में 9% की कमी आ गई। उनका पावर प्लांट को निशाना नहीं बनाने का ऐलान, भले वह एकतरफा हो, इस मायने में अहम है कि लड़ाई के इससे तेज होने का खतरा थोड़ा कम हुआ है। अगर ईरान के पावर प्लांट तबाह होते हैं, तो बदले की जवाबी कार्रवाई से होने वाला नुकसान भयानक होगा। अमेरिका-इस्राइल और ईरान जंग ने अप्रत्याशित हालात पैदा कर दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संसद में स्वीकार किया कि देश के सामने बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि हमने कोरोना के वक्त ऐसी चुनौती का सामना किया है, हमें उसी तरह तैयार रहना है। यह स्वीकारोक्ति अच्छी बात है। किसी भी संकट से निपटने का पहला पड़ाव उसे स्वीकार करना होता है। अब देश किस तरह से इस चुनौती का सामना कर सकता है, सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए।

होर्मुज से होने वाले व्यापार, वहां से आने वाले फर्टिलाइजर्स, खाड़ी में मौजूद भारतीयों और उनके रेमिटेंस - सभी को लेकर चिंता है। पीएम ने अपने भाषण में इन सभी को संबोधित किया। ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति में डायवर्सिफिकेशन और घरेलू उत्पादन व स्ट्रैटिजिक रिजर्व को बढ़ाने जैसे कदम अहम हैं।

निर्वासन में भी आशा, दलाई लामा की यात्रा

निमिषा सिंह
स्तंभकार

वर्ष 1937, पूर्वोत्तर तिब्बत का एक छोटा सा खेत। जौ, आलू और मुर्गियों के बीच नन्हा ल्हामो थोंडुप मुस्कुरा रहा था। गरीबी और कठिनाइयों के बीच भी उसका चेहरा जीवन और खुशी से दमक रहा था। यह वह क्षण था जब एक बच्चे की मासूम मुस्कान में छुपी थी भविष्य की करुणा, साहस और मानवता की अद्वितीय शक्ति।

कुछ महीनों से एक खोज दल उस घर की निगरानी कर रहा था। दिव्य संकेतों और विभिन्न आध्यात्मिक प्रमाणों के आधार पर यह पाया गया कि यही बच्चा चौदहवें दलाई लामा होंगे। जब उन्हें पुराने दलाई लामा की वस्तुएँ दी गईं, तो उन्होंने सरल भाव से कहा, ये मेरे हैं, ये मेरे हैं। उस छोटे-से बच्चे की सरलता और सच्चाई ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि वह आने वाले वर्षों में न केवल तिब्बत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए करुणा और शांति का प्रतीक बनेंगे। नन्हे ल्हामो थोंडुप को करुणा के बोधिसत्व अवलोकितेश्वर (तिब्बती में चेनरेज़िग) का अवतार माना गया। बौद्ध मान्यता के अनुसार, वे अवलोकितेश्वर के मानवीय रूप हैं, जो मानवता की सेवा के लिए बार-बार पुनर्जन्म लेते हैं। खोज के महज चंद दिनों बाद ल्हामो थोंडुप को मठ भेज दिया गया। वहाँ के पर्वत, घाटियाँ, जंगली याक, गधे और हिरण उन्हें मंत्रमुग्ध कर गए। यह वही धरती थी, जिस पर वे आने वाले वर्षों में आध्यात्मिक और लौकिक नेतृत्व करेंगे। 1940 में उन्हे 13वें दलाई लामा के अवतार के रूप में मान्यता मिली। उनका औपचारिक राज्याभिषेक हुआ और उन्हे आध्यात्मिक नाम तेनजिन ग्यात्सो मिला। उन्होंने करुणा, ज्ञान और प्रज्ञापारमिता पर आधारित गहन बौद्ध शिक्षा ग्रहण की। नववयस्क होते ही, 15 वर्ष की उम्र में, नवंबर 1950 में, ल्हामो थोंडुप आधिकारिक रूप से छह मिलियन तिब्बतियों के लौकिक और आध्यात्मिक नेता के रूप में सिंहासन पर आसीन हुए। यह वह समय था जब तिब्बत अपने सीमाओं पर चीनी आक्रमण का सामना कर रहा था। तिब्बत की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन और नेपाल में मिशन भेजे। लेकिन वैश्विक स्तर पर कोई भी प्रयास तिब्बत को बचाने में सफल नहीं हो सका। अकेले तिब्बत को कम्युनिस्ट चीन की पूरी ताकत का सामना करना पड़ा। 1950 में चीन ने तिब्बत पर आक्रमण किया और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) की सैन्य कार्रवाई के माध्यम से तिब्बत पर अपना नियंत्रण स्थापित किया। चामदो की निर्णायक लड़ाई में PLA की जीत ने तिब्बत के नेताओं को 1951 में बंदूक की नोक पर सत्रह सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। इस समझौते ने तिब्बत को औपचारिक रूप से चीन का हिस्सा घोषित कर दिया और दलाई लामा के ऐतिहासिक शासन को समाप्त कर दिया।

1954 में दलाई लामा ने चीन में एक वर्ष बिताया, और इसके बाद 1956 में भारत में पांच महीने अतिथि के रूप में रहे। इन यात्राओं ने उन्हें वैश्विक दृष्टिकोण और नेतृत्व की व्यापक समझ दी। उन्होंने राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया, और इससे उनके दृष्टिकोण में गंभीर बदलाव आया। 1959 में, जब 14वें दलाई लामा को एक चीनी जनरल ने छलपूर्वक नृत्य मंडली के प्रदर्शन में आमंत्रित किया, तिब्बती जनता ने उनके आवास को घेरकर उन्हें अपहरण से बचाने का प्रयास किया। भविष्यवाणी और साहस के सहारे, महज 23 वर्ष की उम्र में, उन्होंने सैनिक वेश धारण करके चुपके से भारत की सीमा पार की। तत्कालीन भारत सरकार ने उन्हें और तिब्बती शरणार्थियों को आश्रय प्रदान किया। इस निर्णय ने तिब्बत के अस्तित्व और उनके संघर्ष के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका नेतृत्व केवल तिब्बतियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणा बन गया। भारत आने के बाद उनके कंधों पर लगभग एक लाख शरणार्थियों की जिम्मेदारी थी। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक विकास के लिए कई संस्थानों की स्थापना की और तिब्बती बौद्ध धर्म की परंपराओं को संरक्षित एवं पुनर्जीवित किया। 1959 में भारत आने के बाद ही उन्होंने तिब्बती शासन प्रणाली में गहन बदलाव लाने का कार्य शुरू किया। उनकी उपस्थिति और करुणामय दृष्टिकोण प्रवासी तिब्बतियों के लिए शक्ति और सांत्वना का स्रोत बने। उन्होंने तिब्बत की स्वायत्तता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन स्थापित किया। परम पावन न केवल मानवता और धर्म के लिए समर्पित हैं, बल्कि पृथ्वी और प्रकृति के संरक्षण के प्रति भी। उन्होंने तिब्बती पठार को एशियाई नदियों का स्रोत बताते हुए इसे शांति और संरक्षण का क्षेत्र बनाने का आह्वान किया। दलाई लामा को 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनका जीवन केवल आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रतीक नहीं, बल्कि लोकतंत्र, त्याग, करुणा और भारत के प्रति प्रेम का जीवंत उदाहरण भी है। उन्हें केवल आध्यात्मिक गुरु के रूप में नहीं बल्कि करुणा के प्रतीक और भगवान बुद्ध के अवतार के रूप में पूजा जाता है। वर्तमान में तेनजिन ग्यात्सो (14वें दलाई लामा) के रूप में प्रतिष्ठित हैं और मैकलोडगंज (हिमाचल प्रदेश) में निवास कर रहे हैं। गत सप्ताह 11 मार्च 2026 को, तेनशुक 2026 के अंतर्गत मैकलोडगंज के थे-कचेन चोएलिंग मंदिर में उनकी लंबी आयु के लिए प्रार्थना आयोजित की गई जिसमें हज़ारों बौद्ध भिक्षु, भिक्षुणियाँ और अनुयायी शामिल हुए। इस अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों अनुयायियों और 24 तिब्बत सहायता समूहों ने हिंदी और तिब्बती भाषा में प्रार्थनाएँ कीं। अखिल भारत रचनात्मक समाज और भारत तिब्बत मैत्री संघ (महिला शाखा) की सक्रिय सदस्य होने के नाते मुझे भी इस आयोजन में सम्मलित होने का अवसर मिला।

हालांकि दलाई लामा की दीर्घायु और उनके पुनर्जन्म के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। चीन का कहना है कि कि दलाई लामा के पुनर्जन्म का निर्णय चीन के कानूनों का पालन करके किया जाना चाहिए। उसके पास रखे सोने के कलश से ही अगले दलाई लामा का नाम निकलेगा और अगला दलाई लामा चीन की सीमा के अंदर ही पैदा होगा। दरअसल इतिहास में दलाई लामा चुने जाने के कई तरीके अपनाए गए हैं जिसमे एक तरीका है स्वर्ण कलश से निकाला गया एक नाम। वह कलश आज चीन के कब्जे में है और उसका दुरुपयोग करने की साजिश की जा रही है। 14वें दलाई लामा 90 वर्ष की आयु पर कर चुके है। वह 600 वर्षों के इतिहास में सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले दलाई लामा हैं,जो निर्वासन में होने के बावजूद बेहद सक्रिय और स्वस्थ हैं। परम पावन 14वें दलाई लामा ने अपने पुनर्जन्म को लेकर स्पष्ट किया है उनका पुनर्जन्म तिब्बती समुदाय के निर्णय पर निर्भर है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि मेरा जन्म एक स्वतंत्र दुनिया में होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सोशल मीडिया और घटती खुशियां, डिजिटल डिटॉक्स की सलाह देती वर्ल्ड हेप्पीनेस रिपोर्ट

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

फिनलैंड एकबार फिर से विश्व का सबसे खुशहाल देश बन गया है। पाठकों को बताता चलूं कि फिनलैंड लगातार 9वीं बार दुनिया का सबसे खुशहाल देश बना है। 19 मार्च 2026 नवसंवत्सर के दिन (गुरुवार को) जारी वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026 में भारत 116वें स्थान पर रहा है। गौरतलब है कि वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026 का निर्माण ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा किया गया है।यह भी गौरतलब है कि यह रिपोर्ट एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसमें गैलप तथा यूनाइटेड नेशंस सस्टेनेबल डेवलपमेंट सोल्यूशन्स नेटवर्क जैसी संस्थाएँ भी सहभागी होती हैं और इन सभी के संयुक्त प्रयासों से वैश्विक स्तर पर लोगों की खुशी, जीवन संतोष और सामाजिक-आर्थिक कारकों का विश्लेषण कर यह रिपोर्ट तैयार की जाती है।

अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग और रील स्क्रॉलिंग के कारण आ रही है खुशी/प्रसन्नता के स्तर में गिरावट: जारी इस रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है कि अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग और रील स्क्रॉलिंग से आज युवाओं(यंग जनरेशन) के मानसिक स्वास्थ्य(मेंटल हेल्थ) और खुशी(हैप्पीनेस) के स्तर में गिरावट आ रही है। रिपोर्ट में यह बात कही गई है कि आज के समय में युवाओं में मानसिक तनाव और अकेलेपन की समस्या बढ़ रही है। बहरहाल, यदि हम यहां पर खुशी के प्रमुख कारकों की बात करें तो, इनमें क्रमशः सामाजिक समर्थन, विश्वास, स्वतंत्रता, उदारता और जीवन संतुष्टि को मुख्य आधार माना गया है तथा परिवार, मित्र और समाज से जुड़ाव(सामाजिक जुड़ाव) को खुशी का सबसे बड़ा स्रोत बताया गया है। वास्तव में, आज जरूरत इस बात की है कि हम संतुलित जीवनशैली अपनाएं। इस क्रम में हाल ही जारी रिपोर्ट ने डिजिटल जीवन और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया है। सरल शब्दों में कहें तो रिपोर्ट में डिजिटल डिटॉक्स की सलाह दी गई है। वास्तव में, रिपोर्ट में युवाओं को समय-समय पर सोशल मीडिया से दूरी बनाने की सलाह दी गई है या यूं कहें कि कम आभासी दुनिया, ज्यादा वास्तविक जुड़ाव यही स्थायी खुशी का रास्ता है। बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 में नॉर्डिक देशों (फिनलैंड,डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन) का दबदबा रहा है और वे शीर्ष पर बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार आइसलैंड (2), डेनमार्क (3), स्वीडन (5) और नॉर्वे (6) जैसे देश टॉप 10 में बने हुए हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इस साल का सबसे बड़ा सरप्राइज कोस्टा रिका रहा, जो 4थे स्थान पर पहुंच गया है। यह किसी भी लैटिन अमेरिकी देश की अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग है। वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान (147) सबसे निचले पायदान पर है, उसके बाद सिएरा लियोन और मलावी का स्थान है। यह भी उल्लेखनीय है कि लगातार दूसरे साल कोई भी प्रमुख अंग्रेजी भाषी देश (जैसे अमेरिका 23वें, ब्रिटेन 29वें) टॉप 10 में जगह नहीं बना पाया है। हाल ही में जो वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की गई है, वह मुख्य रूप से 6 कारकों क्रमशः प्रति व्यक्ति जीडीपी, सामाजिक सहयोग, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, जीवन के फैसले लेने की स्वतंत्रता,उदारता तथा भ्रष्टाचार का बोध पर आधारित है। वास्तव में, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा और कम असमानता वाले देश ज्यादा खुश पाए गए हैं। रिपोर्ट में सामने आया है कि आर्थिक समृद्धि ही सब कुछ नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो केवल आय नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता और संतुलन खुशी तय करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज की भागमभाग भरी, आपाधापी वाली जीवनशैली (शहरी जीवनशैली) लोगों के बीच लगातार दूरियां बढ़ा रही है और लोग लोनलीनेस (अकेलापन) महसूस करते हैं, जो नाखुशी का कारण है। जानकारी के अनुसार खासकर 15-30 आयु वर्ग में खुशी का स्तर घटा है, जिसका कारण डिजिटल निर्भरता और सामाजिक तुलना बताया गया है।

अंत में, यही कहूंगा कि वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026 यह स्पष्ट करती है कि केवल आर्थिक समृद्धि ही किसी राष्ट्र की खुशहाली का पैमाना नहीं हो सकती। जहाँ फिनलैंड ने लगातार नौवीं बार शीर्ष पर रहकर अपनी सामाजिक सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मॉडल को दुनिया के सामने मिसाल के रूप में पेश किया है, वहीं कोस्टा रिका जैसे देशों का उत्थान यह बताता है कि प्रकृति से जुड़ाव और सामुदायिक सहयोग जीवन संतुष्टि के लिए अनिवार्य हैं। भारत के संदर्भ में, 116वें स्थान पर रहने के बावजूद मामूली सुधार एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन स्वस्थ जीवन प्रत्याशा और सामाजिक समर्थन जैसे बुनियादी ढांचों में अभी भी बड़े बदलाव की आवश्यकता महसूस की गई है। रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू युवाओं की मानसिक स्थिति है, जहाँ सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और डिजिटल अलगाव(डिजिटल आइसोलेशन) के कारण उनके सुख के स्तर में गिरावट देखी गई है। अंततः, यह रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को सचेत करती है कि भविष्य की योजनाएँ केवल जीडीपी(सकल घरेलू उत्पाद) पर केंद्रित न होकर नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य, उदारता और आपसी विश्वास को बढ़ाने वाली होनी चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

अहंकार और संस्कार में फर्क है। अहंकार दूसरों को झुकाकर खुश होता है, संस्कार स्वयं झुककर खुश होता है। !!

-अज्ञात

निशाना

अब केवल उपचार लिखें..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

प्यार प्यार बस प्यार लिखें,
हर दिन को त्यौहार लिखें,
दर्द बहुत है दुनियां में,
अब केवल उपचार लिखें,
फर्क नहीं जो करता हो,
ऐसा अब दरबार लिखें,
वसुधा कुटुंब हमारी है,
दुनियां को परिवार लिखें,
इस नदिया के मांझी हम,
हाथों में पतवार लिखें,
एक रहेंगे हम मिलकर,
दुश्मन की बस हार लिखें,
पानी पवन पेड़ पर्वत के ,
मिलकर हम उपकार लिखें,
नदियों से जीवन हम सबका,
कल- कल बहती धार लिखें,
पत्थर नहीं महज यह पर्वत,
इनको पहरेदारदार लिखें,
खड़ी फसल के जो दुश्मन ,
उनको खरपतवार लिखें,
लुट न जाये यह धरती ,
खुद को पहरेदार लिखें,
हम तकदीर के मालिक हैं,
खुद अपनी सरकार लिखें,
रोटी पर हक सबका है ,
भोजन का अधिकार लिखें,
सब तो दिया है मालिक ने,
जीवन को उपहार लिखें,
बंद शिकायत अभी करो ,
सांस -सांस आभार लिखें।

हेल्थ अलर्ट

तेजी से खतरनाक बनता है निमोनिया का खांसी-जुकाम, लक्षणों की पहचान जरूरी

पल्मोनोलॉजिस्ट के अनुसार कई मामलों में निमोनिया को तेजी से खतरनाक होते हुए देखा गया है। इसलिए निमोनिया को साइलेंट खतरा माना जाता है। यह मामूली-से सर्दी-जुकाम, खांसी के साथ शुरू होता है, लेकिन बहुत तेजी से लोअर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट का खतरनाक इंफेक्शन बन जाता है। अक्सर लक्षणों को ना पहचान पाने के कारण ऐसा होता है। खांसी का प्रकार, पल्स ऑक्सीमीटर, ब्लड प्रेशर की मदद से आप पता कर सकते हैं कि कहीं निमोनिया खतरनाक तो नहीं हो रहा।

अक्सर नाक बहना, हल्का बुखार और गले में सूजन के साथ निमोनिया की शुरुआती स्टेज होती है। ये लक्षण मामूली फ्लू या इंफेक्शन जैसे हैं, इसलिए कई लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। इग्नोर करने पर इंफेक्शन फेफड़ों के अंदर पहुंच जाता है। लोअर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट तक जाने के दौरान इसके कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें पहचानकर आप इस बीमारी को खतरनाक होने से रोक सकते हैं। गंभीर होने पर सबसे पहले खांसी में बदलाव आता है। सामान्य जुकाम में सूखी और माइल्ड इरिटेटिंग कफ होती है। जबकि निमोनिया की वजह से इंटेंस कफ होती है, जो लगातार होती रहती है। अगर हरे, पीले या जंग जैसे रंग का गाढ़ा बलगम आता है या फिर उसमें खून नजर आता है तो इसका मतलब है कि इंफेक्शन फेफड़ों तक पहुंच गया है।

निमोनिया को पहचानने के लिए पल्स ऑक्सीमीटर का इस्तेमाल फायदेमंद हो सकता है। कोविड के दौरान यह डिवाइस काफी उपयोग में लाया गया था। यह खून के अंदर की ऑक्सीजन सैचुरेशन बताता है, मतलब खून के अंदर कितनी ऑक्सीजन है। स्वस्थ लोगों में ऑक्सीजन का लेवल 95 प्रतिशत से अधिक होता है। अगर यह 90-92 प्रतिशत से नीचे गिर रहा है तो मेडिकल इमरजेंसी मानी जाती है। निमोनिया के शुरुआती स्टेज में सीढ़ी चढ़ना जैसी आसान शारीरिक एक्टिविटी के दौरान आपकी सांस फूलने लगती है। लेकिन फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचने पर सांस लेने में तकलीफ बढ़ने लगती है। अगर मरीज को बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द जैसे निमोनिया के लक्षणों के साथ लो ब्लड प्रेशर की समस्या है तो यह गंभीर निमोनिया का संकेत हो सकता है।

न्यू गैजेट

आ गया ऐपल का सबसे किफायती और दमदार मैकबुक, बन सकता है विंडोज का विकल्प

60 से 70 हजार रुपये का बजट लैपटॉप मार्केट का वो डेड जोन रहा है, जहां ढंग का विंडोज लैपटॉप ढूंढना मुश्किल होता है। हालांकि ऐपल ने MacBook Neo के साथ इस सेगमेंट का गणित बदल दिया है। 70 हजार रुपये की शुरुआती कीमत और आईफोन वाली A18 Pro चिपसेट के साथ आने वाला यह लैपटॉप पहली नजर में अपने किसी भी प्रीमियम या फ्लैगशिप सिबलिंग से कमतर नहीं लगता। ऐपल ने इस बजट में वो परफॉरमेंस देने की कोशिश की है जिसकी उम्मीद लंबे समय से यूजर्स को विंडोज लैपटॉप्स से थी। हालांकि, सिक्के का दूसरा पहलू भी है। बजट और ऐपल जब एक ही वाक्य में इस्तेमाल हों, तो कुछ बदलाव दिखते हैं।

MacBook Neo का प्रीमियम डिजाइन इस बजट के विंडोज लैपटॉप्स से बेहद सॉलिड लगता है। यह दिखने में काफी हद तक Macbook Pro या Air M4 का छोटा वर्जन है, जो अपनी 1.27 CM की मोटाई के साथ Macbook Air (1.13 CM) से मोटा लेकिन Macbook Pro (1.55 CM) से पतला है। इसके डिजाइन की वजह से यह हाथों में बहुत कंफर्टेबल और ज्यादा पोर्टेबल लगता है। नए कलर्स के साथ ऐपल ने लैपटॉप्स की दुनिया को रंगीन बनाने की अच्छी कोशिश की है। सस्ता होने के बावजूद Apple ने अपने जरूरी ट्रेडमार्क्स से समझौता नहीं किया है। इसका सबसे बड़ा सबूत है बैलेंस्ड हिंज। यानी बाकी मैकबुक की तरह ही इस बजट लैपटॉप की लिड (डिस्प्ले वाला हिस्सा) को भी सिर्फ एक उंगली से बिना किसी मशक्कत के खोल सकते हैं। यह सुनने में छोटी बात लगेगी, लेकिन ऐपल की उस बारीकी और इंजीनियरिंग का प्रमाण है जो इससे महंगे विंडोज लैपटॉप में मिलना भी मुश्किल है।

पावर यूजर रखें इन बातों का ध्यान: Macbook Neo 8GB रैम के साथ आता है और पावर यूजर्स को यह कम महसूस हो सकती है। Neo में रैम बढ़ाने का कोई ऑप्शन नहीं है, लेकिन नॉर्मल यूजर के लिए 8GB रैम काफी रहेगी। कुछ बदलाव डिजाइन में भी हैं। इसके 512GB वाले वेरिएंट में ही टच आईडी बटन मिलेगा, जो महंगा आएगा। Macbook Neo में बिना बैकलाइट वाला कीबोर्ड और एक फोर्सचट ट्रैकपैड नहीं मिलता। यह छूने और क्लिक करने में विंडोज लैपटॉप्स जैसा लगेगा लेकिन MacOS के सभी स्मार्ट जेस्चर्स को भी सपोर्ट करेगा। Macbook Neo में साइड फेसिंग स्पीकर्स मिलते हैं, जो वेब सीरीज या शो देखते समय डायलॉग सुनने के लिए ठीक हैं, लेकिन म्यूजिक के मामले में यह फ्लैट लग सकते हैं। Macbook Neo आपको 9-10 घंटे का बैकअप निकाल कर दे सकता है लेकिन इसके साथ ऐपल 20W वाला चार्जर देता है, जो चार्जिंग में समय लेता है तो अगर आप एक ऐसा लैपटॉप तलाश रहे हैं, जो बिना अटके काम करे और लंबे समय तक इस्तेमाल किया जा सके, तो Macbook Neo आपके लिए है। यह उन लोगों के लिए डिजाइन हुआ है जो लैपटॉप की बैटरी खत्म हो जाने के डर से मुक्ति चाहते हैं।

अजब - गजब

तेज रफ्तार ट्रेन की टक्कर में ट्रक के उड़े परखच्चे मौत के मुंह में जाकर भी बच गया ड्राइवर

दुनियाभर में रेलवे क्रॉसिंग पर होने वाले हादसों की खबरें अक्सर विचलित कर देती हैं, जहां एक छोटी सी लापरवाही मौत का सबब बन जाती है। कभी सिग्नल की अनदेखी तो कभी जल्दबाजी में लोग अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। आज हम आपको बेल्जियम से आई एक ऐसी रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां एक ट्रक ड्राइवर मौत के मुंह से महज कुछ इंच की दूरी से वापस लौट आया। बेल्जियम के अन्जेगेम के पास घटित हुई इस घटना ने न सिर्फ वहां मौजूद लोगों के होश उड़ा दिए, बल्कि सीसीटीवी में कैद हुए उस मंजर को देखकर हर किसी की रूह कांप गई। यह खौफनाक वाकया तब शुरू हुआ, जब एक ट्रक ड्राइवर अपनी लॉरी लेकर रेलवे क्रॉसिंग को पार कर रहा था। अचानक आगे ट्रैफिक जाम होने की वजह से ट्रक पटरी के बीचों-बीच फंस गया। इसी दौरान रेलवे क्रॉसिंग के बैरियर नीचे आने लगे और ड्राइवर को अहसास हुआ कि मौत उसकी ओर बढ़ रही है।

ऐसे में पीछे खड़ी कारों ने ड्राइवर को जगह देने के लिए अपनी गाड़ियां रिवर्स कीं, ताकि ट्रक पीछे हट सके। ट्रक ड्राइवर ने धीरे-धीरे पीछे हटने की कोशिश की, लेकिन वह पूरी तरह सुरक्षित पीछे हट पाता, उससे पहले ही एक तेज रफ्तार ट्रेन उससे टकरा गई। ट्रेन इतनी तेज थी कि उसने ट्रक के केबिन के अगले हिस्से को बुरी तरह रगड़ दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का मलबा हवा में उड़ता दिखाई दिया और बैरियर पूरी तरह नष्ट हो गया। लोगों को लगा कि ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई, क्योंकि वह ट्रक के केबिन के भीतर ही मौजूद था और ट्रेन उसे महज कुछ इंच की दूरी से छूती हुई निकल गई। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद चमत्कार देखने को मिला। किस्मत से ड्राइवर बिल्कुल सुरक्षित था। उसे कोई गंभीर शारीरिक चोट नहीं आई। यह हादसा इतना भयानक था, कि जिंदा बच जाने के बावजूद वो इसे देखकर गहरे सदमे में चला गया। ट्रेन भी कुछ ही सेकंड बाद रुक गई, जिससे एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया। इस टक्कर की वजह से ट्रेन को काफी नुकसान पहुंचा और ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद ऑडेनार्डे और कोर्ट्रिज्क के बीच ट्रेन सेवाएं कई घंटों के लिए निलंबित कर दी गई। ट्रेन में सवार लगभग 160 यात्रियों को बसों के जरिए उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। रेलवे ऑपरेटर इंफ्राबेल ने इस घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इस टक्कर को टाला जा सकता था। ड्राइवर के पास आपातकालीन नंबर 1711 पर कॉल करने के लिए लगभग एक मिनट का समय था, जिससे ट्रेन ट्रैफिक को रोका जा सकता था.। इंफ्राबेल ने ऑनलाइन चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि किसी भी रेलवे क्रॉसिंग पर जाने से पहले यह सुनिश्चित करें कि लाइट सफेद हो, बैरियर पूरी तरह खुला हो और क्रॉसिंग को पूरी तरह पार करने के लिए पर्याप्त जगह हो। अगर इनमें से कोई भी स्थिति नहीं है, तो पटरी पर जाने की गलती कभी न करें।

रोचक इतिहास...दसवीं सदी से विराजित मां बिरासिनी देवी, रहस्यमयी स्वप्न से प्रकट हुईं

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के बिरसिंहपुर पाली में मां बिरासिनी देवी मंदिर का इतिहास किसी लोककथा से कम नहीं लगता। मान्यता है कि सैकड़ों वर्ष पहले माता ने धौकल नामक एक व्यक्ति को स्वप्न में दर्शन दिए और बताया कि उनकी प्रतिमा एक खेत में दबी हुई है। यह कोई सामान्य सपना नहीं था, बल्कि एक दिव्य संकेत था। धौकल ने जब उस स्थान पर खुदाई करवाई तो सचमुच वहां से माता की प्रतिमा प्राप्त हुई। इसके बाद श्रद्धा भाव से एक छोटी मढ़िया बनाकर माता की स्थापना की गई। यही वह क्षण था, जहां से इस शक्तिपीठ की नींव पड़ी और धीरे-धीरे यह स्थान लोगों की आस्था का केंद्र बनता चला गया। समय के साथ मां बिरासिनी की ख्याति दूर-दूर तक फैलने लगी। नगर के राजा बीरसिंह ने इस स्थल के महत्व को समझते हुए यहां भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। यह

केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि उस दौर की आस्था और संस्कृति का प्रतीक बन गया। बाद के वर्षों में मंदिर का महत्व लगातार बढ़ता गया और श्रद्धालुओं की संख्या में भी वृद्धि होती रही।

मंदिर में स्थापित मां बिरासिनी की प्रतिमा को कल्चुरी कालीन माना जाता है, जिसका निर्माण लगभग 10वीं सदी में हुआ था। काले पत्थर से निर्मित यह प्रतिमा अत्यंत आकर्षक और दिव्य प्रतीत होती है। खास बात यह है कि महाकाली स्वरूप की इस प्रतिमा में माता की जिह्वा बाहर नहीं है, जो इसे देश की अन्य प्रतिमाओं से अलग बनाती है। गर्भगृह में माता के साथ भगवान हरिहर भी विराजमान हैं, जो शिव और विष्णु का संयुक्त स्वरूप हैं। चारों ओर अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं इस स्थान को और भी पवित्र बनाती हैं। आधुनिक समय में मंदिर को नया स्वरूप देने का कार्य वर्ष 1989 में शुरू हुआ, जब जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के मार्गदर्शन में जीर्णोद्धार की नींव रखी गई। स्थानीय नागरिकों, कोयला कंपनियों के प्रबंधन और दानदाताओं के सहयोग से करीब 27 लाख रुपये की लागत से भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। वास्तुकार विनायक हरिदास द्वारा तैयार डिजाइन ने इस मंदिर को एक विशेष पहचान दी। वर्ष 1999 में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के सान्निध्य में मंदिर का लोकार्पण हुआ।

नवरात्रि में जीवंत होती सदियों पुरानी आस्था

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर यह प्राचीन धाम एक बार फिर जीवंत हो उठता है। पहले ही दिन घटस्थापना के साथ भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ती है। दूर-दराज से आए श्रद्धालु माता के दर्शन कर अपने जीवन में सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। ज्वारा कलश, भजन-कीर्तन, भंडारे और जुलूस इस पूरे वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना देते हैं। आज मां बिरासिनी धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि इतिहास, रहस्य और अटूट आस्था का ऐसा संगम है, जहां हर श्रद्धालु को दिव्यता का अनुभव होता है।

न्यूज विंडो

दीवार लेखन, संगोष्ठी और वृक्ष पूजन कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सिरोंज। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बामोरीसाला सेक्टर के विभिन्न गांवों में जल संरक्षण को लेकर एक प्रेरणादायक जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वधर्म जन कल्याण सेवा समिति के मार्गदर्शन में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों ने ग्राम बरेज, चाठोली, बड़ौदा ताल और कार्राखेड़ी में मिलकर इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में जल है, तो कल है, जैसे प्रभावशाली नारों के साथ व्यापक स्तर पर दीवार लेखन किया गया। गांव की दीवारों पर उकेरे गए ये संदेश न केवल लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें जल के महत्व के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं। ग्राम बरेज में पर्यावरण संरक्षण के तहत ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से वृक्ष पूजन कर प्रकृति के प्रति अपनी आस्था और जिम्मेदारी का परिचय दिया। इसके साथ ही एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। संगोष्ठी में जल संरक्षण के महत्व, वर्तमान परिदृश्य में जल संकट और इसके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। नवांकुर संस्था प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने अपने वक्तव्य में जल की अनिवार्यता को सरल और भावनात्मक शब्दों में समझाते हुए सभी से जल बचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर संजीव दांगी, बलरामसिंह राजपूत, राधारमण कर्मी, नवल सिंह राजपूत आदि मौजूद रहे।

माताएं मर्यादा और संस्कारों की रक्षा करें - कृष्णा मां

गंजबासौदा। नगर के नौ देवी पिपलेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंदिर समिति द्वारा रजत जयंती समारोह के अंतर्गत सप्त दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर परम पूज्य कृष्णा मां द्वारा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचनों के माध्यम से जीवन उपयोगी संदेश दिए जा रहे हैं। प्रवचन के दौरान कृष्णा मां ने कहा कि माताओं के हाथ में

परिवार की मर्यादा और संस्कारों की रक्षा की जिम्मेदारी होती है। आज के समय में बच्चों के पास शिक्षा तो है, लेकिन संस्कारों की कमी दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को भगवान से जुड़े रहकर ध्यान और भक्ति में मन लगाना चाहिए। उन्होंने पानी और वाणी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि इनका गलत उपयोग नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने शरीर को कपड़े के समान बताते हुए कहा कि यह बदलता रहता है, इसलिए मनुष्य को अपनी बुरी आदतों को बदलकर अच्छे संस्कार अपनाने चाहिए। कृष्णा मां ने कहा कि एक जीवन के बिगड़ने से पूरा भविष्य प्रभावित होता है, जबकि एक जीवन के सुधरने से आने वाला समय भी बेहतर बनता है। कार्यक्रम के दौरान नौलखी मंदिर के महंत राम मनोहर दास जी भी उपस्थित हुए। उन्होंने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन बड़े सौभाग्य से प्राप्त होता है और संत महात्मा जहां भी जाते हैं, लोक कल्याण का कार्य करते हैं।

बॉयफ्रेंड ने दोस्तों के साथ किया किशोरी का अपहरण, पुलिस ने दबोचा

नर्मदापुरम। जिले के सोहागपुर में फिल्मी अंदाज में 16 साल की किशोरी का अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया। किशोरी के बॉयफ्रेंड हमजा खान ने अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर पुलिस को चकमा देकर अपहरण की घटना को अंजाम दिया। लेकिन सोहागपुर पुलिस की फुर्ती से महज चार घंटों में सभी आरोपी गिरफ्तार हो गए।सोमवार को सोहागपुर मेन मार्केट की गली से लाल स्विफ्ट कार (एमपी 04 जेडआर 8590) में हमजा खान, रिजवान खान और जाहिद खान ने किशोरी को जबरन बैठाकर बाबई की ओर ले गए। घटना किशोरी के भाई ने देख ली और कार का नंबर नोट कर पिता को सूचना दी। पिता ने तुरंत डायल 112 पर कॉल की।थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। एसडीओपी संजू चौहान के निर्देश पर माखननगर पुलिस से संपर्क कर घेराबंदी शुरू की। पुलिस के पीछे लगते ही रिजवान और जाहिद ने माखननगर में किशोरी व हमजा को उतारकर नसीराबाद होकर बकतरा भेज दिया। वहीं, हमजा के दोस्त सलमान उर्फ फैजल और संजीव मीना कार से उन्हें सोहागपुर की फॉरेस्ट कॉलोनी ले आए। पुलिस ने बाड़ी, बकतरा और माखननगर थानों की मदद से स्विफ्ट और क्रेटा कारें जब्त कर पांचों आरोपियों को दबोच लिया। किशोरी को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। गिरफ्तार आरोपी हमजा खान (मुख्य आरोपी, बाड़ी निवासी)रिजवान खान (सोहागपुर) सलमान उर्फ फैजल खान (पिजारा मोहल्ला, माखननगर) जाहिद खान (बजीरगंज कॉलोनी, बाड़ी, रायसेन) संजीव मीना (जमुनिया, माखननगर)शामिल हैं।

राजगढ़ में भीषण सड़क हादसा, घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया

भैंस को बचाने के चक्कर में कार और ऑटो के बीच भिड़ंत, 14 लोग घायल

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले में भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है. इस दुर्घटना में कुल 14 लोगों के घायल होने की सूचना है। सभी घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया है जहां उनका इलाज जारी है। हादसे की वजह 1 भैंस बताई जा रही है जिसे बचाने के प्रयास में 14 लोग घायल हो गए। सड़क दुर्घटना कार और ऑटो के बीच हुए भयंकर टक्कर की वजह से हुई है जिसमें दर्जन भर लोग घायल हुए हैं।

घटना राजगढ़ जिला मुख्यालय के करेड़ी मार्ग पर घटित हुई है जहां कार और ऑटो के बीच जोरदार तक्कर की वजह से 14 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीच सड़क पर अचानक आई एक भैंस को बचाने के प्रयास में ये दर्दनाक हादसा हुआ है। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जारी है। हादसे के बाद से सामने आई तस्वीर रूंह कपा देने वाली हैं। मिली जानकारी के अनुसार, ऑटो चालक तेज रफ्तार में था, तभी अचानक सड़क के बीचों-बीच एक भैंस आ गई. भैंस को बचाने के प्रयास में ऑटो चालक ने ऑटो से अपना कंट्रोल खोया और अनियंत्रित होकर सामने से आ

रही हाई स्पीड कार से जा भिड़ा। कार और ऑटो के बीच भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए हैं।

हादसे के बाद से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई चारों ओर चीख पुकार मच गई। हादसे के बाद से जो तस्वीरें सामने आईं हैं वो दिल दहला देने वाली है। राजगढ़ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची जिसके बाद से ग्रामीणों की मदद से राहत कार्य शुरु किया गया। पुलिस के अनुसार कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है जिन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

बालाघाट में कार्रवाई: अवैध रूप से परिवहन में लगे 10 वाहन किए जब्त

बालाघाट। जिले में खनिज और राजस्व विभाग ने अलग-अलग इलाकों में दबिश देकर टीम ने 10 वाहनों को जब्त किया है। यह गाड़ियां बिना अनुमति के खुदाई और परिवहन में लगी थीं। खनिज विभाग ने चेकिंग के दौरान भमोड़ी गांव में एक बिना नंबर का पावरटेक ट्रैक्टर पकड़ा, जो अवैध रेत ले जा रहा था। इसी तरह समनापुर में गिट्टी से भरा एक डंपर और रेत ले जा रहा एक और ट्रैक्टर जब्त किया गया। कटंगी के बाहकल गांव में पुलिस और खनिज विभाग ने मिलकर रेत ले जा रही 4 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ीं। वहीं, किरनापुर के पौनी इलाके में सोन नदी से अवैध रेत निकालते हुए राजस्व विभाग की टीम ने 3 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को घेराबंदी कर जब्त किया।

भगवामय हो उठा शहर, श्री राम जन्मोत्सव की तैयारियां जोरों पर

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर में आगामी 27 मार्च को श्री राम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक विशाल एवं दिव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा राम जानकी मंदिर, पिपलिया गज्जू रोड से दोपहर 3बजे शुरू होकर स्टेशन रोड एवं नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए दुर्गा चौक श्री राम मंदिर पर समाप्त होगी। इस भव्य आयोजन में कई विशेष आकर्षण रहेंगे, जो राम भक्तों को और अधिक उत्साहित करेंगे। इसमें भक्ति भरे भजन एवं कीर्तन के साथ नटराज डीजे उत्सव का माहौल बनाएंगे। इसके अलावा बाबा बटेश्वर भक्त मंडल भोपाल अपनी भक्ति एवं समर्पण से यात्रा को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करेंगे। इसके अलावा अक्षय इवेंट भोपाल आयोजन की व्यवस्था एवं सजावट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह पवित्र आयोजन श्री राम जन्म उत्सव संगठन, समस्त सनातनी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र, मंडीदीप द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सोहागपुर पिपरिया के प्रसिद्ध मूर्तिकार द्वारा निर्मित प्रभु श्री राम जी एवं हनुमान जी की अत्यंत सुंदर एवं जीवंत प्रतिमाएं यात्रा का मुख्य केंद्र बिंदु होंगी।

ग्रीष्मकालीन मूंग के लिए नहरों से पानी छोड़ने की तिथियां तय

27 मार्च से हरदा, 1अप्रैल से सिवनी मालवा व 5 अप्रैल से इटारसी में शुरू होगा जलप्रवाह

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल के लिए नहरों से पानी छोड़ने की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार को आयुक्त कार्यालय में आयोजित संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया।बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी आशीष खरे, नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, संयुक्त आयुक्त नवल मीना, मुख्य अभियंता जल संसाधन राजाराम मीना सहित अधिकारी मौजूद रहे। हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ऑनलाइन शामिल हुए।सहमति से तय तिथियों के अनुसार हरदा जिले के लिए बायीं तट मुख्य नहर से 27 मार्च को तवा नहर में पानी प्रवाहित होगा। तवा नहर संभाग सिवनी मालवा की रायगढ़, मकढई, भिलाडिया एवं

मिसरोद उपनहरों के लिए 1 अप्रैल से, तवा परियोजना संभाग इटारसी (सुपरली, इटारसी, होशंगाबाद उपनहर) के लिए 5 अप्रैल से तथा पिपरिया शाखा नहर संभाग सोहागपुर के लिए दायीं तट मुख्य नहर से 8 अप्रैल से जल प्रवाह शुरू किया जाएगा।मुख्य अभियंता राजाराम मीना ने बताया कि तवा बांध में 865 एमसीएम (1143.30 फिट) पानी संग्रहित है, जिसमें से 771 एमसीएम सिंचाई के लिए उपलब्ध रहेगा। आयुक्त श्री तिवारी ने नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस, जल संसाधन, राजस्व एवं एमपीबी के अमलों को संयुक्त पेट्रोलिंग के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर शहीदों के वंशजों का हुआ नागरिक अभिनंदन, फंदा पहन युवाओं ने जीवंत किया बलिदान का दृश्य

गूंजा 'इंकलाब जिंदाबाद', 25वीं शहीद क्रांति मशाल यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

धार। दोपहर मेट्रो

शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस के अवसर पर सोमवार रात धार शहर देशभक्ति के अनूठे रंग में रंगा नजर आया। राजीव यादव मित्र मंडल के नेतृत्व में आयोजित 25वीं शहीद क्रांति मशाल यात्रा में हजारों की संख्या में युवाओं ने हाथों में जलती मशालें और तिरंगा लेकर शहीदों को नमन किया।

यह विशाल मशाल यात्रा बस स्टैंड से प्रारंभ हुई। जैसे ही यात्रा शुरू हुई, पूरा वातावरण भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। हजारों युवाओं का हुजूम जब हाथों में मशालें लेकर सड़कों पर उतरा, तो दृश्य बेहद गौरवशाली और भव्य था। शहर के प्रमुख मार्गों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। निर्धारित रूट के अनुसार यात्रा बस

स्टैंड से शुरू होकर पट्ठा चौपाटी, नालछा दरवाजा, राजवाड़ा, जवाहर मार्गहोते हुए शहीद चौराहे पर पहुंची, जहाँ इसका समापन हुआ। मार्ग में जगह-जगह मंच लगाकर शहीदों के वंशजों का नागरिक अभिनंदन किया गया। यात्रा का मुख्य आकर्षण वे युवा थे, जिन्होंने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का वेश धारण कर रखा था। गले में फांसी का फंदा डाले इन युवाओं ने जब शहीदों के बलिदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, तो उपस्थित जनसमूह भावुक हो उठा। इस गौरवमयी आयोजन में शहीदों के परिवारों के सदस्य भी विशेष रूप से शामिल हुए, जिन्होंने युवाओं को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा दी।

नई पीढ़ी को बलिदान की याद दिलाना ही लक्ष्य

आयोजक राजीव यादव ने बताया कि इस मशाल यात्रा का यह 25वां वर्ष है। उन्होंने कहा इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को यह बताना है कि आज हम जिस आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, उसके पीछे हमारे क्रांतिकारियों का कितना बड़ा बलिदान है। यह यात्रा केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की भावना को हर दिल में जगाने का एक माध्यम है।

मां की महिमा न्यारी: शारदेय नवरात्रि की पंचमी के दिन होती है नौ देवियों की स्थापना, नवरात्र पर प्रतिदिन माता को दी जाती हैं 1008 आहुतियां

प्राचीन है ग्राम पतलोनी का मां शारदा का मंदिर, मैया के दर्शन करने उमड़ते हैं श्रद्धालु

तेंदूखेड़ा! दोपहर मेट्रो

ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पतलोनी में अति प्राचीन मां शारदा का मंदिर है मंदिर का इतिहास स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रतिमा एक हजार से अधिक पुरानी बताई जाती है, जिसकी पूजन-अर्चन व देखरेख ग्रामीण करते हैं। भक्तों की मान्यता है कि यहा विराजमान मां शारदा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती है और नवरात्र में यहां विविध धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं और यहां पूर्ण धार्मिक आस्था अपनी रखते हैं। यहां दर्शन करने दूरदराज से श्रद्धालु अपनी आस्था और विश्वास लेकर आते हैं। साथ ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है।

मंदिर के प्राचीन इतिहास के संबंध में स्थानीय भागवत सेन बाते हैं कि यहां पहले घना जंगल हुआ करता था और यहां पर तेजगढ़ के राजा तेजसिंह की

कुलदेवी माता कंकाली विराजमान थी जो काले पत्थर की प्रतिमा थी और जिनकी प्राण प्रतिष्ठा उनके द्वारा किए जाने के साथ साथ वह यहाँ पूजन अर्चन करने आते थे, लेकिन कालचक्र के साये में राजा तेजसिंह के बाद यह स्थान यह स्थान वीरान होता चला गया और मुख्य स्थान जंगलों के बीच खोने लगा, लेकिन करीब 60 वर्ष पूर्व ग्राम पतलोनी निवासी भूंडू सेन ने यहां फिर से माता की स्थापना कराई तो इस स्थान को माता शारदा के नाम से भी लोग जानने और मानने लगे समय के साथ यहां की ख्याती आसपास फैलने लगी और भक्तों द्वारा यहां पर शारदा माता मंदिर के अलावा कई मंदिरों का निर्माण कराया जिनमे शिव मंदिर, गणेश मंदिर, शनि मंदिर, महाकाली मंदिर, राम दरबार, सिद्ध महाराज सहित अन्य देवी देवताओं के मंदिर भी शामिल हैं। इस मंदिर में तिथि माह अनुसार शारदेय नवरात्र की पंचमी के दिन नौ देवियों की स्थापना की जाती है और साथ ही यहां मेला भी भरता है। वहीं चैत्र नवरात्री की पंचमी को यहां ज्वारे बोने की परंपरा है जो और पूर्णिमा को विसर्जित किए जाते है। इस दौरान लोग दूर दूर से अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और मान्यता है कि भक्तों की मनोकामना मां पूरी भी करती है। वहीं नवरात्र पर प्रतिदिन 1008 आहुतियां माता के नाम से दी जाती है और भव्य आरती की जाती है।

न्यूज विंडो

एजेंसियों पर लंबी कतारें, उपभोक्ता परेशान, सिलेंडर लेकर भटक रहे

कटनी। नवरात्रि के बीच शहर में एलपीजी गैस संकट गहराता जा रहा है। उपवास के दिनों में गैस की मांग बढऩे के साथ ही वितरण व्यवस्था लडखड़ा गई है। सोमवार को दो दिन के अवकाश के बाद गैस एजेंसियों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहां उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़ा होकर भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। माधवनगर सहित शहर के कई हिस्सों में सुबह से ही लोग खाली सिलेंडर लेकर एजेंसियों के बाहर पहुंच गए। स्थिति यह रही कि कई स्थानों पर सीमित स्टॉक आने के बाद कुछ ही लोगों को सिलेंडर मिल पाया, जबकि बाकी उपभोक्ताओं को मायूस होकर लौटना पड़ा। लोगों का आरोप है कि बुकिंग के सात दिन बाद भी गैस की डिलीवरी नहीं हो रही है, जिससे उन्हें एजेंसियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार जिले में तीन प्रमुख तेल कंपनियों की करीब 25 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनसे 3 लाख 61 हजार से अधिक उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। सामान्य दिनों में प्रतिदिन 5500 से 5600 सिलेंडरों की खपत होती है, लेकिन इन दिनों मांग में लगभग 30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। अचानक बढ़ी मांग और सप्लाई में असंतुलन के कारण वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

गरजा बुलडोजर, 30 मकान जमींदोज, सामान लेकर बाहर खड़े दिखे लोग

खंडवा। शहर में दो अलग-अलग मुद्दों ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया। एक तरफ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तो दूसरी तरफ बाजारों में त्यौहार और शादी के सीजन में बढ़ता ट्रैफिक से जनता परशान है। इससे शहरवासियों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे की जमीन पर बने लगभग 30 मकानों को तोड़ने की कार्रवाई ने संजय नगर वार्ड में हड़कंप मचा दिया। कई वर्षों से यहां रह रहे परिवारों को अचानक अपने घरों से बेघर होना पड़ा। लोगों का कहना है कि उन्हें पहले से कोई स्पष्ट सूचना या पर्याप्त समय नहीं दिया गया, जिसके कारण वे अपना सामान तक ठीक से नहीं समेट पाए। कार्रवाई के दौरान कई परिवार खुले मैदान में अपने सामान के साथ खड़े नजर आए, जिससे उनकी स्थिति की गंभीरता साफ झलक रही थी। दूसरी ओर, शहर के प्रमुख बाजारों में त्योहारी और शादी के सीजन के चलते भीड़ तेजी से बढ़ रही है। इस बढ़ती भीड़ का असर ट्रैफिक व्यवस्था पर साफ दिखाई दे रहा है। खासतौर पर घंटाघर चौक, बुधवारा बाजार और रेलवे स्टेशन रोड जैसे व्यस्त इलाकों में अव्यवस्था चरम पर है। यहां सड़क किनारे और कई जगहों पर सड़क के बीच तक ठेले लगने से यातायात बाधित हो रहा है। नगर निगम द्वारा पहले जिन पथ विक्रेताओं को हाकर्स जोन में शिफ्ट किया गया था, वे अब दोबारा पुराने स्थानों पर लौट आए हैं। उनका तर्क है कि हाकर्स जोन में ग्राहकों की कमी के कारण उनका व्यापार प्रभावित हो रहा था। ऐसे में त्योहारों के समय वे भीड़भाड़ वाले बाजारों का रुख करने को मजबूर हैं।

लापरवाही : पाटन-तेंदूखेड़ा मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पार्ट्स होते हैं चोरी

हाइवे पर खड़े दुर्घनाग्रस्त कंटेनर ट्रक के दो टायर चोरी, खड़े वाहन दे रहे हादसे को न्यौता

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक में सड़क हादसों के बाद तेन्दूखेड़ा पुलिस की लगातार बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की सुरक्षा के प्रति उदासीनता के चलते चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि 24 घंटे चलने वाले हाईवे मार्गों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। हालत यह हैं कि हादसे के बाद कई दिनों तक वाहन घटनास्थल पर ही लावारिस पड़े रहते हैं, जहां से चोर उनके पार्ट्स ले जाते हैं।

नागरिकों और राहगीरों का कहना है कि सड़क किनारे खड़े क्षतिग्रस्त वाहन बड़े हादसों को न्यौता दे रहे हैं। नियमानुसार दुर्घटना के तुरंत बाद पुलिस को वाहन अपनी कस्टडी में लेना चाहिए, लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र में ऐसा नहीं हो रहा है हादसों के बाद वाहन 24 घंटे से लेकर तीन चार दिन तक सड़क किनारे पड़े रहते हैं और अन्य हादसों को न्योता देते हैं। 24 घंटे के अंदर कार्रवाई नहीं होती प्रशासन की इस चुप्पी से न केवल जनता की संपत्ति का नुकसान हो रहा है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं क्योंकि क्षेत्र में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जहां सड़क हादसों के बाद वाहनों के पार्ट्स चुराकर चोर ले जाते हैं। घटनास्थल पर सिर्फ वाहनों के ढांचा ही नजर आता है। घटना स्थल पर नरगुंवा ग्राम के एक व्यक्ति द्वारा रात्रि में कंटेनर की निगरानी की जा रही थी, बावजूद इसके सोमवार की रात्रि 2 बजे से 4 बजे के बीच अज्ञात चोरों द्वारा कंटेनर के दो टायर चोरी कर लिए गए। सुबह लगभग 4 बजे जब निगरानी कर रहे व्यक्ति की नजर कंटेनर पर पड़ी, तब इस चोरी की घटना का पता चला।

घटना के चार दिन बाद भी सड़क पर खड़ा ट्रक के दो टायर सहित अन्य सामग्री चोरी

चार तीन दिन पहले शुक्रवार को नगर से लगभग 7 किलोमीटर दूर तेन्दूखेड़ा पाटन मार्ग पर स्थित एक टावर के पास शुक्रवार रात्रि करीब 10:30 बजे एक गंभीर सड़क दुर्घटना घटित हुई थी नागालैंड पासिंग के एक रेफ्रिजरेटर कंटेनर 16 चक्का ट्रक जिसमें मटर भरा था ने सड़क किनारे खड़े एक डंपर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कंटेनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और खड़ा डंपर सड़क से नीचे खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में कंटेनर के चालक एवं क्लीनर को गंभीर रूप से घायल हुए, जिनका उपचार जबलपुर में चल रहा है। दुर्घटना के चार दिन बाद भी पुलिस ने घटनास्थल से दुर्घनाग्रस्त ट्रक को मार्ग हटाया नहीं गया है जिसके कारण अन्य राहगीरों को हादसे का भय बना रहता है क्योंकि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक का आधा हिस्सा बीच सड़क पर है वहीं कंटेनर ट्रक के दो टायर सहित अन्य पार्ट्स चोरी होना पाया गया है जहां पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था व निगरानी की एक बार पोल खोलकर रख दी है।

यह पहली बार नहीं है जब दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से इस प्रकार की चोरी हुई हो। पूर्व में भी अज्ञात तत्वों द्वारा ऐसे कई मामलों को अंजाम दिया जा चुका है। पुलिस को इस प्रकार की घटनाओं की जानकारी होने के बावजूद, वाहन मालिक की लापरवाही के कारण स्थिति और जटिल हो गई उल्लेखनीय है कि जिस स्थान पर यह कंटेनर खड़ा है, वह तेंदूखेड़ा-जबलपुर मुख्य मार्ग है, जहां यह आंशिक रूप से सड़क को अवरुद्ध कर रहा है। इससे यातायात बाधित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं की संभावना भी बनी हुई है।

पुलिस की अनदेखी

राहगीरों ने बताया कि क्षेत्र में अनेक इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं जहां घटना के एक एक सप्ताह तक घटनास्थल पर छतिग्रस्त वाहन पड़े रहते हैं जिससे हादसों का डर भी बना रहता है साथ ही इन वाहनों की सामग्री भी चोरी हो जाती है चोरों द्वारा रात के वक्त इन वाहनों की सामग्री चोरी की जाती है जब मार्ग पर सुनसान होता है और डर के कारण इन मार्गों से निकलने वाले वाहन व राहगीर रुकते नहीं है या फिर वाहनों की लाइट देखकर चोर झाड़ियों व पेड़ों की आड़ में छिप जाते हैं। वाहनों की सामग्री चोरी कर ले जाते हैं, लेकिन इस और पुलिस की पड़ी लापरवाही व अनदेखी है। इस कारण इस तरह की घटनाएं क्षेत्र में लगातार हो रही हैं।

नगर वासियों का आरोप

नगरवासियों का कहना है कि पुलिस नगर की समस्यायों पर ध्यान नहीं दे रही है। आए दिन मुख्य मार्ग पर जाम जैसे हालत निर्मित हो रहे हैं। सड़क के दोनों ओर हाथ ठेलों का कब्जा है। सड़क पर लोगों के वाहन खड़े किए जा रहे हैं। दुकानदारों ने सड़क तक अपनी सामग्री रखकर कब्जा किए हैं, लेकिन पुलिस द्वारा नगर की यातायात व्यवस्था बनाएं रखने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पुलिस की अनदेखी से ही हादसा ग्रस्त वाहनों के टायर व अन्य पार्ट्स चोरी हो रहे हैं, जबकि नियम तहत जब हादसा घटित होता है तो उसी समय तत्काल पुलिस को इन वाहनों को बरामद व अभिरक्षा में लेकर थाना में सुरक्षित रखवाना चाहिए था पर पुलिस द्वारा ऐसा नहीं किया गया।

सरकारी जमीन नाप कर बता दी निजी, कलेक्टर ने पटवारी, आरआई को निलंबित करने के दिए निर्देश

सतना। दोपहर मेट्रो

समय सीमा बैठक में कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने जिले के राजस्व अमले की कार्यप्रणाली पर गंभीर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने यहां तक कह दिया कि रेवेन्यू डिपार्टमेंट शून्य हो गया है। कोई काम नहीं कर रहा है और भू-माफियाओं से मिलीभगत अलग देखने को मिल रही है। राजस्व अधिकारियों की अकर्मण्यता और लापरवाही पर भड़के कलेक्टर ने कहा कि यहां के तहसीलदार कलेक्टर के कहने के बाद भी पटवारी से काम नहीं करवा पा रहे है। यह बातें ऊपर लिखकर भेजने की स्थिति बन गई है। कहीं भी लोग मकान बना रहे हैं और अधिकारी मूक दर्शक बने हुए हैं। उन्होंने सरकारी जमीन के गलत सीमांकन पर कोठी तहसीलदार पर जमकर नाराजगी जाहिर की साथ ही पटवारी और आरआई को निलंबित करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीआईसी के अधिकारी ने बताया कि उनकी जमीन पर निजी भूमि स्वामी ने अतिक्रमण कर घर बना लिया है। चूंकि पिछली बैठक में कलेक्टर इस मामले में संबंधित राजस्व अधिकारियों को निर्देश दे चुके थे। कलेक्टर ने कहा कि हम सरकारी जमीन बचाने को लड़ रहे हैं और आप लोग सो रहे हैं। नियम विरुद्ध सीमांकन कर दिया और उसकी पुष्टि भी कर दी। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरआई और पटवारी को निलंबित करने का प्रस्ताव मेरे पास भेजें। साथ ही यह आरआई फील्ड में नहीं रहेगा। यहां अटैच करें। किसी सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आने के बाद कलेक्टर ने उचेहरा तहसीलदार को मैसेज भेज कर कार्यवाही के निर्देश दिए थे। लेकिन तहसीलदार ने इस मैसेज के बाद भी कार्यवाही का प्रतिवेदन नहीं भेजा। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि कलेक्टर के मैसेज के बाद भी आप जवाब नहीं दे सकते हैं तो काम क्या ही कर रहे होंगे। यही वजह है कि किसानों की तहसीलदार से नाराजगी रहती है।

डॉक्टर पति निकला हत्यारा!

पत्नी का गला घोंटा फिर कार में रख शव जलाया

दो कर्मचारियों को भी वारदात में किया शामिल, तीनों गिरफ़्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर में कार में डॉक्टर नीलेश कुर्मी की पत्नी की जल जाने से मौत के मामले का खुलासा हो गया है। पुलिस की जांच में पति की हत्यारा निकला। डॉ. नीलेश तबीयत खराब होने का बहाना बनाता रहा पर फिर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए पूछताछ की तो आरोपी टूट गया। उसने अपना गुनाह कबूल लिया। पुलिस के अनुसार डॉ. नीलेश ने ही कार में आग लगाई थी। दो कर्मचारियों को भी वारदात में शामिल कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ़्तार कर? लिया है। वारदात में सह आरोपी दोनों कर्मचारियों के बयान से मामले का खुलासा हो गया था। हालांकि डॉक्टर ने वारदात को छिपाने के लिए कई कहानियां गढ़ी पर पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए और उसे दबोच ही लिया।

पुलिस ने बताया कि रात में आरोपी का पत्नी से विवाद हुआ। तमतमाए डॉक्टर नीलेश पटेल ने पत्नी सीमा पटेल की गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर अपराध छिपाने के लिए गढ़ाकोटा से सागर ले जाने के दौरान चना टोरिया में कार में आग लगा दी। सीमा की मौत तो पहले ही हो चुकी थी। कार में उसका शव भी जल गया। इस हत्या को हादसा बनाने के लिए उसने अपने दो कर्मचारियों रामकृष्ण और शुभम कुर्मी को दो- दो लाख रुपए का लालच देकर साथ मिला लिया। शुक्रवार- शनिवार की दरमियानी रात इस वारदात को उसने जो थ्योरी बनाई, वह पुलिस के गले ही नहीं उतरी। पुलिस ने जांच की और साक्ष्य जुटाए। बार-बार दिए अलग बयान में डॉक्टर नीलेश खुद ही फंस गया। उसने हत्या की बात कबूल ली।

बीएसएफ में ट्रेनिंग लेने के बाद नौकरी छोड़ने की बात बताने वाला आरोपी डॉ. नीलेश जानता था कि शव का पोस्टमॉर्टम करने पर मौत की वजह का खुलासा हो जाएगा। इसलिए शरीर और सबूत मिटाने की साजिश रची। पेट्रोल खरीदकर कार में रखा फिर दोनों कर्मचारियों को साथ मिलाकर शव के साथ कार जला दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ़्तार किया है। डॉ. नीलेश ने चना टोरिया में सुनसान क्षेत्र में कार रोकी। पिछली सीट पर मृत सीमा पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आधी कार जलने के बाद कंट्रोल रूम में फोन कर कार जलने की सूचना दी।

मेट्रो एंकर पीथमपुर-धार रेल लाइन पर इंजन का सफल ट्रायल, 20 से 30 किमी की रफ्तार से हुआ परीक्षण

इंतजार खत्म... धार में गूंजी रेल की छुक-छुक, किया स्वागत

इंजन के स्वागत में बरसे फूल और चली आतिशबाजी

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया। दशकों से रेल का सपना संजोए बैठे धारवासियों की उम्मीदों को उस वक्त पंख लग गए जब इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के तहत पीथमपुर से धार के बीच तैयार 38 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर पहली बार रेलवे इंजन (टॉवर वैगन) का सफल परीक्षण किया गया। जैसे ही रेल इंजन की छुक-छुक की आवाज सुनाई दी पूरा क्षेत्र उत्साह और उमंग से भर गया। शाम को जब रेलवे इंजन धार स्टेशन पहुंचा, तो वहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। दशकों पुराने सपने को हकीकत में तब्दील होते देख लोग भावुक हो गए। स्टेशन पर मौजूद नागरिकों ने फूल-मालाओं और आतिशबाजी के साथ इंजन का जोरदार स्वागत किया। कई लोगों ने इस ऐतिहासिक पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। इस दौरान इंजन की विधिवत पूजा-अर्चना भी की गई।

20 से 30 किमी की रफ्तार से हुआ परीक्षण

रेलवे अधिकारियों के अनुसार नवीन ट्रैक पर शुरुआती दौर में टॉवर वैगन को 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाकर ट्रैक की मजबूती और तकनीकी पहलुओं को जांचा गया। आगामी दिनों में इसी ट्रैक पर 50 किलोमीटर से अधिक की रफ्तार से फाइनल ट्रायल किया जाएगा।

भोजशाला की तर्ज पर चमक रहा है आधुनिक स्टेशन

धार का नया रेलवे स्टेशन अपनी वास्तुकला के लिए इसे ऐतिहासिक भोजशाला की तर्ज पर डिजाइन किया गया है। लगभग डेढ़ किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में फैले इस स्टेशन पर 5 प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं। मालगाड़ियों के लिए अलग से ट्रैक की व्यवस्था है।सड़क, विद्युतीकरण और यात्री सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं।

भावुक हुए संघर्ष के सारथी

रेल लाओ समिति के अध्यक्ष पवन जैन गंगवाल इस ऐतिहासिक अवसर पर भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि धार में रेल लाने के लिए पिछले 40 वर्षों तक निरंतर संघर्ष किया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि ट्रायल सफल होने के बाद अब जल्द से जल्द नियमित पैसेंजर ट्रेन सेवा शुरू की जाए ताकि आम जनता को इसका लाभ मिल सके।

ट्रैक की एक झलक

पीथमपुर से सागौर-	09 किमी
सागौर से गुणावद -	15 किमी
गुणावद से धार-	14 किमी
कुल लंबाई	38 किमी

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने की नियम की आलोचना, कहा-

आईपीएल के इंपैक्ट खिलाड़ी रूल्स से खिलाड़ी विकास में बाधा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हरफनमौला और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के %इम्पैक्ट प्लेयर% नियम की आलोचना करते हुए कहा, मुझे यह पसंद नहीं है, क्योंकि इससे उनके जैसे खिलाड़ियों (हरफनमौला) के विकास में बाधा आती है। रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी %इम्पैक्ट प्लेयर% नियम के खिलाफ बोल चुके हैं, जिसके तहत टीमें मैच के किसी भी समय अपनी एकादश में किसी खिलाड़ी को सूचीबद्ध पांच खिलाड़ियों में से किसी एक से बदल सकती हैं। यह नियम 2023 में लागू हुआ था और कम से कम 2027 तक लागू रहेगा। रोहित ने 2024 में कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय

क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है। इसके अगले सत्र में हार्दिक ने कहा था कि टीम में किसी हरफनमौला को चुनना मुश्किल हो गया है, जब तक कि वह बल्ले और गेंद दोनों से समान रूप से अच्छा न हो।

सैम कुरेन की जगह शनाका दो करोड़ रुपए पर राजस्थान में शामिल

नयी दिल्ली। श्रीलंका के टी-20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान दासुन शनाका को आईपीएल के लिए इंग्लैंड के चोटिल ऑलराउंडर सैम कुरेन के स्थान पर राजस्थान रॉयल्स टीम में शामिल किए जाने की पुष्टि की गई। शनाका दो करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। बताया गया है कि कुरेन के स्थान पर दासुन शनाका दो करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स से जोड़ा गया है। शनाका ने श्रीलंका के लिए छह टेस्ट, 71 वनडे और 131 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 3350 से अधिक रन और 86 विकेट हैं। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल में तीन मैच खेले हैं।

दिल्ली कैपिटल्स को स्टार्क की जल्द एनओसी मिलने की उम्मीद

दिल्ली कैपिटल्स ने बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मिचेल स्टार्क को आईपीएल में खेलने के लिए एनओसी नहीं दिया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रमुख तेज गेंदबाज एक अप्रैल को टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल कहा कि स्टार्क ने पिछले सत्र में 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे। बदानी ने कहा, हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही हमें वह मिल जाएगा, हमें पता चल जाएगा कि वह कब टीम में शामिल होंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट लीग

क्या सुरक्षा की गारंटी दे पाएंगे नकवी?

आतंकवादी धमकियां मिलने के बाद भी पीएसएल में खेलेंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 (पीएसएल 2026) शुरू होने से पहले ही गंभीर सुरक्षा सवालों के घेरे में आ गई है। आतंकी धमकियों, विदेशी खिलाड़ियों को दी गई चेतावनियों और अचानक बदले गए फॉर्मेट ने पूरे टूर्नामेंट की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी पर उठ रहा है, क्या वे वास्तव में खिलाड़ियों की सुरक्षा की गारंटी दे सकते हैं या सिर्फ दिखावे की तैयारी है?

बांग्लादेशी खिलाड़ी पहुंचे, लेकिन भरोसा या मजबूरी?

पहले सुरक्षा को लेकर चिंता जताने वाला बांग्लादेश अब अचानक यू-टर्न लेता नजर आया। सरकारी मंजूरी के बाद मुस्तफिजुर रहमान, शोरिफुल इस्लाम और तंजीद हसन तमीम समेत छह खिलाड़ी पीएसएल खेलने के लिए रवाना हो गए। हालांकि, बड़ा सवाल ये है कि अगर हालात इतने सुरक्षित हैं तो पहले चिंता क्यों जताई गई? और अगर खतरा था, तो अब अचानक सब कुछ ठीक कैसे हो गया? बांग्लादेशी खिलाड़ियों की पीएसएल के लिए पाकिस्तान यात्रा पर स्थिति स्पष्ट करते हुए शीर्ष सरकारी अधिकारी ने कहा, %हमने विदेश मंत्रालय के साथ पाकिस्तान की स्थिति के बारे में चर्चा की और उसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद में हमारे उच्चायोग से संपर्क किया। वहां से सुरक्षा का आश्वासन मिलने के बाद हमने क्रिकेटरों को पीएसएल खेलने की अनुमति दी।

धमकियों के बीच पाकिस्तान पहुंचे स्टीव स्मिथ

विदेशी खिलाड़ियों को खुलेआम चेतावनी देने वाले आतंकी संगठन जमात-उल-अहरार के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई स्टार स्टीव स्मिथ का लाहौर पहुंचना चर्चा में है। उनका एयरपोर्ट वीडियो साफ दिखाता है कि सुरक्षा कितनी नॉर्म% है। चारों तरफ भारी पुलिस बल। सवाल ये है कि अगर सब सुरक्षित है तो इतनी हाई अलर्ट व्यवस्था क्यों?

पीसीबी का बैकफुट-आधा टूर्नामेंट, खाली स्टेडियम

हालात इतने %काबू में% हैं कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को खुद ही अपने टूर्नामेंट का फॉर्मेट बदलना पड़ा।
सिर्फ लाहौर और कराची में मैच खेले जाएंगे।
बाकी शहर बाहर हुए।
दर्शकों की एंट्री पूरी तरह बंद हो गई।
अगर सुरक्षा पुख्ता होती, तो क्या स्टेडियम खाली रखने पड़ते?

बड़े खिलाड़ी टूरी बना रहे

जहां एक तरफ कुछ खिलाड़ी पहुंचे हैं, वहीं कई नामचीन खिलाड़ी टूर्नामेंट से हट चुके हैं। आधिकारिक कारण भले निजी बताए जा रहे हों, लेकिन टाइमिंग बहुत कुछ कहती है। असली सवाल क्या पीसीबी खिलाड़ियों को सिर्फ आश्वासन पर बुला रहा है? क्या नकवी सुरक्षा को लेकर सच बोल रहे हैं या जोखिम छुपाया जा रहा है? और सबसे अहम अगर कुछ होता है, तो जिम्मेदारी कौन लेगा?

इन दिग्गज खिलाड़ियों को भेजी धमकी

इस धमकी के बीच ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ जैसे बड़े नाम PSL 2026 में खेलने वाले हैं.
* वॉर्नर कराची किंग्स की कप्तानी करेंगे
* स्मिथ मुल्तान सुल्तांस की ओर से डेब्यू करेंगे और पाकिस्तान पहुंच चुके हैं.
इनके अलावा मार्नस लाबुशेन, मोईन अली, डेवोन कॉन्वे और एडम जम्पा जैसे कई विदेशी खिलाड़ी भी इस लीग का हिस्सा हैं, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है. आतंकी संगठन ने वार्नर और स्मिथ जैसे दिग्गजों का नाम लेकर धमकी दी है और कहा है कि अगर वे यहां खेलने आए तो अंजाम बुरा होगा.

पीसीबी का बड़ा फैसला

खाली स्टेडियम में मैचस्थिति को देखते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा कदम उठाया है. पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने ऐलान किया है कि पीएसएल 2026 के सभी मैच बिना दर्शकों के खेले जाएंगे. उन्होंने कहा, ÷जब हम लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने के लिए कह रहे हैं, तो स्टेडियम में हजारों लोगों की भीड़ इकट्ठा नहीं कर सकते. इसलिए यह फैसला लिया गया है.÷

पीसीबी ने लिए ये फैसले

* यह टूर्नामेंट 26 मार्च से शुरू होगा
* कुल 44 मैच खेले जाएंगे
* सभी मुकाबले लाहौर और कराची में होंगे
* ओपनिंग सेरेमनी रद्द कर दी गई है

भारत की अरुंधति आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर घोषित

दुबई, एजेंसी

भारत की मध्यम तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी को आस्ट्रेलिया में टी-20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिये फरवरी महीने में आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया है। वहीं पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को टी-20 विश्व कप में असाधारण प्रदर्शन के लिये सर्वश्रेष्ठ पुरूष क्रिकेटर चुना गया है। रेड्डी ने तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला में भारत की 2-1 से जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने श्रृंखला में 7.25 की इकॉनॉमी दर से आठ विकेट लिये थे। रेड्डी ने कहा, आईसीसी महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना गर्व की बात है। यह इसलिये भी और खास है कि आस्ट्रेलिया में टी-20 श्रृंखला जीतने में योगदान दे सकी। आस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराना आसान नहीं होता। साहिबजादा ने नामीबिया और श्रीलंका के खिलाफ टी-20 विश्व कप में शतक लगाया और एक ही टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने का विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने सात टी-20 मैचों में 383 रन बनाये थे।

हार्दिक, सुखजीत, संजय, अभिषेक हॉकी इंडिया वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में

नयी दिल्ली। भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह, फॉरवर्ड सुखजीत सिंह और अभिषेक और डिफेंडर संजय इस साल हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में हैं। महिला वर्ग में सलीमा टेटे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी और सविता पूनिया को नामांकन मिला है। शुक्रवार को होने वाले हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में उदीयमान खिलाड़ी (अंडर 21) का जुगराज सिंह और असुंथा लाकड़ा पुरस्कार भी दिया जायेगा। अंतिम नामांकन में आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को चुना गया है। इसके साथ ही हॉकी में अमूल्य योगदान के लिये जमन लाल शर्मा पुरस्कार और असाधारण उपलब्धि के लिये अध्यक्ष का पुरस्कार भी दिया जायेगा। अधिकारियों की श्रेणी में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर-अंपायर मैनेजर का पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी और सर्वश्रेष्ठ सदस्य ईकाई का पुरस्कार भी दिया जायेगा। इसके साथ ही एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरूष टीम और जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली जूनियर पुरूष टीम को भी सम्मानित किया जायेगा।
हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, भारतीय हॉकी के लिये यह अहम साल है और ऐसे में असाधारण प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और पिछले एक साल में अपना योगदान देने वालों को सम्मानित करना महत्वपूर्ण है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

28 साल बाद धुरंधर से मिली पहचान! चिट्ठी लिख भावुक हुए गौरव

कभी-कभी एक पुरानी चिट्ठी सौ इंटरव्यू से ज्यादा बातें कह जाती है. धुरंधर-द रिवेंज में मोहम्मद आलम का किरदार निभाकर दिल जीत रहे एक्टर गौरव गेरा ने अपने अतीत का एक बेहद पर्सनल पल शेयर किया है. उन्होंने एक चिट्ठी के जरिए अपनी बात कही है, जिसे

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी और रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन इस वक्त लोगों का दिल- गौरव की असली जिंदगी की कहानी- छू रही है। रविवार को गौरव ने एक हाथ से लिखी चिट्ठी की तस्वीरें शेयर कीं, जो उन्होंने 1998 में अपने माता-पिता को लिखी थी। उस समय वो बड़े सपने लेकर दिल्ली से मुंबई आए थे, लेकिन उनके पास ज्यादा कुछ पक्का नहीं था।

इस चिट्ठी में युवा गौरव ने मुंबई में अपने शुरुआती दिनों के बारे में दिल खोलकर लिखा। उन्होंने लिखा- डियर मम्मा और पापा, आप लोग कैसे हैं? मैं यहां ठीक हूं। अभी तक पैसे के मामले में कुछ खास नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि जल्दी अच्छा होगा। यहां दिल्ली के मुकाबले ज्यादा काम है।

उनकी बातें बहुत सीधी और सच्ची हैं, जो सीधे दिल को छू जाती हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो हर शाम मैन ऑफ ला मांचा नाम के म्यूजिकल के लिए रिहर्सल करते थे, जिसे उस

समय एक बड़ा और प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट माना जाता था। पैसों की कमी के बावजूद उन्होंने सीखने और आगे बढ़ने पर पूरा ध्यान रखा। गौरव ने अपनी हालत छुपाई नहीं। उसी चिट्ठी में उन्होंने बताया कि पैसे बचाने के लिए वो एक दोस्त के साथ छोटे से कॉटेज में रहते थे। फोन, बिजली, गैस, पानी और खाने जैसे रोजमर्रा के खर्चों को बहुत संभालकर चलाना पड़ता था।

सालों की मेहनत अब रंग लाई

गौरव ने चिट्ठी शेयर करते हुए अपने स्ट्रगल से भरी लाइफ के बारे में भी कैप्शन में लिखा और बताया कि ये लेटर उन्होंने अपने पेरेंट्स को 28 साल पहले लिखा था। वो लिखते हैं- ये चिट्ठी मैंने अपने मम्मी-पापा को 3 दिसंबर 1998 को लिखी थी। मुझे मुंबई आए तब एक महीने से भी कम हुआ था। ये करीब 28 साल पुरानी बात है। उस समय ईमेल नहीं होते थे, सिर्फ चिट्ठियां लिखी जाती थीं।इसके बाद मैंने बहुत कुछ किया- टीवी, कुछ फिल्में, विज्ञापन, म्यूजिकल प्ले, रेडियो, टिकटॉक, रील्सज् ये सफर उतार-चढ़ाव से भरा, लेकिन बहुत खूबसूरत रहा। भगवान हमेशा मेहरबान रहे। लेकिन अब ये धुरंधरज आगे क्या होगा, ये नहीं पता। बस मैं अपने 23 साल वाले उस खुद का शुक्रिया कहना चाहता हूं, जिसने उम्मीद नहीं छोड़ी और अपने मम्मी-पापा का भी, जिन्होंने हमेशा बिना थके मेरा साथ दिया।

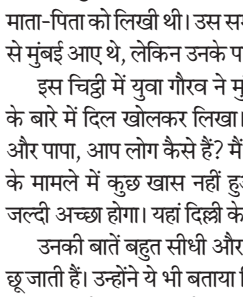

रवीना ने अपने करियर की असुरक्षाओं और क्लासरूम पॉलिटिक्स पर खुलकर की बात

अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में अपने करियर के दौरान महसूस की गई असुरक्षाओं और %क्लासरूम पॉलिटिक्स% से निपटने के अपने नजरिए के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पब्लिकेशन के आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इस आर्टिकल में यह आरोप लगाया गया था कि करिश्मा कपूर, फिल्म ÷अंदाज अपना अपना÷ की शूटिंग के दौरान, रवीना के कॉस्ट्यूम पर नजर रखने के लिए लोगों को भेजती थीं।

आर्टिकल के अनुसार, कॉस्ट्यूम डिजाइनर एशले रेबेलो ने बताया कि करिश्मा अपनी टीम के सदस्यों को यह देखने के लिए भेजती थीं कि रवीना फिल्म में क्या पहन रही हैं। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रवीना ने कहा कि वह उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं जो अपनी समकालीन अभिनेत्रियों से असुरक्षित महसूस करती हों, और न ही उन्हें कभी %क्लासरूम पॉलिटिक्स% (आपसी राजनीति) में कोई दिलचस्पी रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह हमेशा अपनी दुनिया में खुश रही हैं और उन्हें लगता है कि ईश्वर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है।

रवीना ने आगे कहा कि उन्हें कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। %केजीएफ-चैप्टर 2% की अभिनेत्री की ताजा पोस्ट में लिखा था, ÷बस यह साफ करने के लिए। मुझे कभी भी दूसरों से, जरा भी, कोई असुरक्षा महसूस नहीं हुई, और न ही मैं कभी किसी तरह की %स्कूल क्लासरूम पॉलिटिक्स% में शामिल रही। मैं हमेशा अपनी दुनिया में खुश रही हूं और उन सभी मौकों के लिए ईश्वर की आभारी हूं जो उन्होंने मुझे दिए हैं। जय शिव शंभू। मुझे कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। ईश्वर बहुत दयालु रहे हैं। इसलिए जो लोग मुझे जानते हैं, वे हमेशा सच जानेंगे।

मेट्रो बाजार

भारत में एसी उत्पादन के लिए शार्प ने अंबर एंटरप्राइजेज के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने भारत में एयर कंडीशनर (एसी) के स्थानीय उत्पादन के लिए अंबर एंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। जापानी शार्प कॉरपोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय इकाई शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) ने एक बयान में कहा कि यह कदम दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते कूलिंग बाजारों में से एक में उसके विस्तार की योजनाओं को मजबूत करेगा। कंपनी का लक्ष्य अगले पांच साल में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार और देशभर में वितरण नेटवर्क को मजबूत कर भारतीय एयर कंडीशनर बाजार में दो से तीन प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना है। यह बाजार सालाना एक करोड़ इकाई की बिक्री के आंकड़े को पार कर चुका है। इस साझेदारी के तहत शार्प के एयर कंडीशनर अंबर के देहरादून और श्री सिटी स्थित संयंत्रों में बनाए जाएंगे, जिनका उत्पादन मार्च, 2026 से शुरू करने की योजना है। बयान के अनुसार इस सहयोग का उद्देश्य अगले तीन वर्षों में उत्पादन को पांच लाख इकाई तक बढ़ाना है। शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) के प्रबंध निदेशक ओसामु नरिता ने कहा, भारत शार्प के लिए रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है और ठंड प्रदान करने वाले उपकरण क्षेत्र में दीर्घकालिक वृद्धि की मजबूत संभावनाएं हैं। इस तरह की साझेदारियों के जरिये अपने विनिर्माण तंत्र को मजबूत करना भारतीय बाजार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस बार पुराने इनकम टैक्स एक्ट के तहत करदाता फाइल कर पाएंगे रिटर्न

नई दिल्ली। भारत में नया इनकम टैक्स एक्ट, 2025 एक अप्रैल, 2026 से लागू हो रहा है, लेकिन करदाता इस साल पुराने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत ही आईटीआर फाइल कर पाएंगे। यह जानकारी आधिकारियों और एक्सपर्ट्स की ओर से दी गई। एक्सपर्ट्स ने कहा कि सरकार नए इनकम टैक्स एक्ट को चरणबद्ध तरीके से लागू कर रही है और इस वजह से करदाता इस साल पुराने कानून के तहत इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल कर पाएंगे। एक्सपर्ट्स ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 26 (एक अप्रैल, 2025-31 मार्च, 2026) के बीच आर्जित की गई आय को असेसमेंट ईयर (एवाई) 2026-27 में मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट के तहत फाइल किया जाएगा। वहीं, नया इनकम टैक्स एक्ट वित्त वर्ष 2026-27 में अर्जित की गई आय पर लागू होगा, जिसका एवाई 2027-28 होगा। यह नया कानून 64 साल पुराने इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा। सरकार का कहना है कि इससे टैक्स सिस्टम को यादा सरल, पारदर्शी और विवाद-मुक्त बनाया जाएगा। हालांकि टैक्स दरों या स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं, जिनका असर नौकरीपेशा लोगों, निवेशकों और व्यवसायियों पर पड़ेगा। नए नियमों के तहत अब फाइनेंशियल ईयर और असेसमेंट ईयर की जगह सिर्फ एक ही टैक्स ईयर होगा। इससे टैक्स भरने की प्रक्रिया आसान होगी और लोगों को अलग-अलग टर्म समझने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही रिटर्न फाइल करने की समयसीमा भी तय कर दी गई है।

उप्र में गेहूं की कटाई का काम तेज़ी पर

किसानों को बाज़ार में उचित दाम मिलने की उम्मीद

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इन दिनों गेहूं की कटाई का काम तेज़ी से चल रहा है। ग्रामीण इलाकों में किसान सुबह से ही खेतों में पहुंचकर पकी हुई फसल को काटने में जुटे हैं। अच्छी मौसम परिस्थितियों और समय पर हुई बारिश के कारण इस वर्ष गेहूं की पैदावार बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि इस बार फसल की गुणवत्ता भी अच्छी है, जिससे उन्हें बाज़ार में उचित दाम मिलने की आशा है। हालांकि, कुछ किसानों ने मजदूरों की कमी और बढ़ती लागत को लेकर चिंता भी व्यक्त की है। इसके बावजूद, आधुनिक कृषि उपकरणों की मदद से कटाई का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन भी किसानों की सहायता के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा कर रहा है, ताकि फसल को सुरक्षित रूप से मंडियों तक पहुंचाया जा सके।

कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश, 66 की मौत, 11 क्रू में थे सवार

बोगोटा. कोलंबिया में वायुसेना का विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्यूलिस C-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है।

एक सैन्य सूत्र ने AFP को बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है।

राष्ट्रपति ने हादसे पर दुख जताया: कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर हादसा है। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी और जवानों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। सरकार सेना को मजबूत बनाने और बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रही है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों।

सोनम वांगचुक हिरासत केस

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज की एनएसए हटने के बाद मामला समाप्त

नई दिल्ली। लद्दाख के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई बंद करते हुए मामले का निपटारा कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अब इस मामले में आगे सुनवाई की आवश्यकता नहीं रह गई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि सोनम वांगचुक पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) 14 मार्च को ही हटा लिया गया था। इसके साथ ही उन्हें रिहा भी कर दिया गया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब एनएसए वापस ले लिया गया है और वांगचुक को रिहा कर दिया गया है, तो याचिका स्वतः ही निष्प्रभावी हो जाती है। इसी आधार पर अदालत ने मामले को समाप्त करते हुए सुनवाई बंद कर दी।

हालांकि, इस पूरे प्रकरण से जुड़े अन्य पहलुओं पर न्यायिक प्रक्रिया अभी जारी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। इसका साथ ही, हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 12 अगस्त तय की है। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक की हिरासत को लेकर पहले काफी चर्चा रही थी। इसे लेकर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक हलकों में भी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।

कभी देखी या सुनी नहीं होगी ईरान जैसी महंगाई

एक करोड़ का नोट लेकर राशन लेने निकला शख्स, थैला भी नहीं भरा

नई दिल्ली, एजेंसी

जंग के बीच ईरान में ईरानी करेंसी की वैल्यू रद्दी के बराबर हो गई है। ईरान ने अब 10 मिलियन ईरानी रियाल यानी कि 1 करोड़ ईरानी रियाल का नोट जारी किया है। कुछ ही दिन पहले ईरान ने आधा करोड़ यानी कि 5 मिलियन के करेंसी नोट जारी किए थे। लेकिन ईरानी करेंसी की हालात इतनी बदतर है कि इससे बाजार और लोगों की जरूरतें पूरी नहीं हुई। ईरान की मुद्रा ईरानी रियाल है।

इसके बाद ईरान ने 1 करोड़ के नोट जारी किए हैं। लेकिन इस भारी-भरकम नोट से भी ईरानी जनता की हालत अच्छी नहीं होने वाली है। क्योंकि ईरान में महंगाई दर उच्चतम स्तर पर है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस एक करोड़ के नोट से ईरान में अगर शॉपिंग करने निकलें तो ट्रक भर जाएगा। लेकिन अगर आप ऐसा सोचते हैं आप बिल्कुल गलत हैं। ईरान में एक करोड़

रियाल खर्च कर आप अपना थैला भी नहीं भर पाएंगे। क्योंकि अगर भारतीय रुपया से तुलना की जाए तो एक करोड़ ईरानी मुद्रा की कीमत 600 से 725 रुपये के बीच है।

एक करोड़ ईरानी रियाल में कितनी खरीदारी: अगर ईरान का एक शख्स चार लोगों के परिवार के लिए 1 करोड़ रियाल लेकर रोटी और आटे की दुकान पर जाता है। वहां रोटी खरीदने में ही लाखों रियाल खत्म हो जाते हैं। कई परिवार बताते हैं कि सिर्फ ब्रेड खरीदने में ही करीब 10 लाख रियाल खर्च हो जाते हैं। इसके बाद वह चावल, दाल या अंडे लेने की सोचता है, लेकिन उसे जल्दी समझ आता है कि सब्जी, तेल और दूध जैसी साधारण चीजें भी पिछले महीनों में 60% से लेकर 100% तक महंगी हो चुकी हैं। अब वह हिसाब लगाने लगता है। चार लोगों के परिवार के लिए यदि सिर्फ साधारण खाना, रोटी, थोड़ा चावल, कुछ अंडे और सस्ती सब्जियां ही लिया जाए तो एक दिन का न्यूनतम खर्च कई लाख रियाल तक पहुंच जाता है। कई ईरानी परिवारों ने बताया है कि पांच लोगों का रोज का बेसिक खर्च लगभग 3 करोड़ रियाल तक जा रहा है, वह भी बिना मांस और फल के।

इसलिए उस आदमी को जल्दी समझ आ जाता है कि उसके पास जो एक करोड़ रियाल हैं, उससे वह अपने परिवार के लिए मुश्किल से एक दिन का साधारण राशन, या बहुत सख्ती से खर्च करे तो डेढ़ दिन तक का खाना ही खरीद पाएगा।

ईरान-अमेरिका बैक चैनल बातचीत में भारत का भी रोल! जंग थामने की बड़ी पहल

वॉशिंगटन। मध्य पूर्व में छिड़े महायुद्ध को रोकने के लिए पर्दे के पीछे से दुनिया की बड़ी ताकतें सक्रिय हो गई हैं। एक वरिष्ठ राजनयिक के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रंप की हालिया शांति घोषणा से ठीक पहले ओमान और तुर्की के जरिए सबसे सक्रिय बैकचैनल वार्ताएं आयोजित की गईं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, ऐतिहासिक रूप से मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाला ओमान एक बार फिर दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों को मेज पर लाने का जरिया बना है। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि केवल तुर्की और ओमान ही नहीं, बल्कि भारत, सऊदी अरब (रियाद) और मिस्र (काहिरा) के जरिए भी लगातार कूटनीतिक संदेशों का आदान-प्रदान होता रहा। भारत के ईरान और अमेरिका दोनों के साथ बेहतर संबंध हैं, जिसे देखते हुए नई दिल्ली ने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए संवाद के रास्ते खुले रखने में मदद की। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि इन गुप्त वार्ताओं का ट्रंप के 5-दिवसीय युद्ध विराम के ऐलान के फैसले पर कितना सीधा प्रभाव पड़ा, लेकिन कूटनीतिज्ञों का मानना है कि इन देशों के दबाव और मध्यस्थता ने युद्ध को फैलने से रोकने में सिक्योरिटी वाल्व का काम किया है।

संशोधन बिल लाने की तैयारी में सरकार

लोकसभा सीटें बढ़ेंगी, महिलाओं को 2029 से मिलेगा रिजर्वेशन

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने के लिए सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आई थी। यह बिल पारित हो जाने के बावजूद लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू नहीं हो सका है। अब सरकार जल्द से जल्द महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने, यह कानून लागू करने की तैयारी में है।

महिलाओं को आरक्षण देने के लिए सरकार अब संसद में संशोधन विधेयक लाएगी। इस बिल में लोकसभा सीटों के परिसीमन और सीटें बढ़ाने के लिए 2011 की जनगणना को ही आधार मानने का प्रावधान किया जाएगा। यह संशोधन विधेयक पारित होने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर 816 हो जाएंगी। 816 सदस्यों वाली लोकसभा में 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी।

गौरतलब है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम जो संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था, उसमें यह प्रावधान था कि यह नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा। अब सूत्रों का कहना है कि सरकार इस हफ्ते नारी शक्ति अभिनंदन अधिनियम बिल में संशोधन लेकर आएगी।

संविधान संशोधन लाने की भी तैयारी

सरकार की तैयारी नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के साथ ही संविधान संशोधन लाने की भी है। यह संविधान संशोधन इसलिए लाया जाएगा, जिससे साल 2011 की जनगणना के आधार पर लोकसभा में सीटें बढ़ाई जा सकें और 2029 के आम चुनाव में महिला आरक्षण लागू किया जा सके। साल 2011 की जनगणना के आधार पर 2029 के लोकसभा चुनाव में सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 की जा सकती है।

विदेशों में दमदार कमाई, पर चूका पठान का टॉप रिकॉर्ड

धुरंधर-2 के मिडल ईस्ट में रिलीज न होने से बड़ा नुकसान!

नई दिल्ली , एजेंसी

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 ने पहले वीकेंड में इंडिया से विदेशों तक खूब धमाल मचाया। भारत में तो धुरंधर 2 ने हिंदी सिनेमा के सारे टॉप बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ ही डाले हैं। ओवरसीज मार्केट में भी दर्शकों ने इस फिल्म के लिए ऐसा क्रेज दिखाया है कि बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड्स की झड़ी लग गई है। लेकिन मिडल ईस्ट में रिलीज ना मिलना धुरंधर 2 के रास्ते का स्पीड ब्रेकर बन रहा है।

भारतीय फिल्मों ने इससे पहले खाड़ी देशों में जमकर थिएटर्स भरे हैं। इसलिए लगभग हर बड़ी फिल्म की धुआंधार कमाई में GCC मार्केट से कलेक्शन का बड़ा रोल रहा है। लेकिन धुरंधर 2 वहां नहीं पहुंची है, जिसकी वजह से फिल्म विदेशों में कमाई के टॉप रिकॉर्ड से थोड़ा सा चूक गई है।

ओवरसीज में सबसे बड़ा वीकेंड कलेक्शन: विदेशों में धुरंधर 2 का क्रेज अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक खूब नजर आया। इन देशों में रणवीर की फिल्म ने कमाई के ऐसे रिकॉर्ड बनाए हैं, जिन तक पहुंचते-पहुंचते काफी गणित खर्च होगी। पर धुरंधर 2 का टोटल ओवरसीज कलेक्शन सामने आ गया है। पहले वीकेंड में ही फिल्म ने कुल 22.40 मिलियन डॉलर (करीब 209 करोड़ भारतीय रुपये) का कलेक्शन कर डाला है। पठान के ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन (ओवरसीज) 26 मिलियन डॉलर में करीब 8 मिलियन डॉलर

धुरंधर 2 ने साउथ में बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल!

इस धुआंधार कमाई के साथ धुरंधर 2 ने इंडियन फिल्मों के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड ओवरसीज कलेक्शन दर्ज किया है। इससे आगे दो ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने अपने समय में ओवरसीज कलेक्शन के खूब रिकॉर्ड बनाए— पठान और बाहुबली 2। ट्रेड रिपोर्ट्स बताती हैं कि ओपनिंग वीकेंड में शाहरुख खान की पठान का ओवरसीज कलेक्शन 26 मिलियन डॉलर था। इसने बाहुबली 2 को पछाड़कर टॉप रिकॉर्ड बनाया था। प्रभास की एपिक ने ओपनिंग वीकेंड में ओवरसीज से करीब 22.5 मिलियन डॉलर का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

GCC देशों से आई थी, जो मिडल ईस्ट की लड़ाई से काफी प्रभावित हैं। इसी तरह बाहुबली 2 के वीकेंड ओवरसीज कलेक्शन 22.5 मिलियन डॉलर में करीब 3.8 मिलियन डॉलर कमाई GCC से आई थी।

लाखों गाड़ियां नियमों से बाहर; डीटीसी की बसों ने भी की अनदेखी

कैग रिपोर्ट में खुलासा: हवा की जांच का झूठा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में हवा खराब होने के पीछे बड़ा कारण खुलकर सामने आ गया है। दिल्ली विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) की ओर से पेश सीएजी रिपोर्ट से पता चलता है कि दिल्ली में हजारों गाड़ियां बिना सही प्रदूषण जांच के दौड़ रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2018-21 के बीच केवल 46 से 63 प्रतिशत वाहनों का ही एमिशन टेस्ट हुआ। कई जगह बिना जांच के ही पीयूसी सर्टिफिकेट जारी कर दिए गए। सबसे चौंकाने वाली बात तो यह रही कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसें भी नियमों का पालन नहीं कर रहीं।

रिपोर्ट में बताया गया कि कई पीयूसी केंद्रों पर

टेस्टिंग सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई है। लाखों डीजल और पेट्रोल/सीएनजी वाहनों को बिना सही टेस्ट के प्रमाणपत्र दे दिए गए। इससे पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। दिल्ली में 953 पीयूसी सेंटर हैं, लेकिन उनका वितरण असमान है। इनमें 31 फीसदी तो सिर्फ खास गाड़ियों (जैसे बस, ट्रक) के लिए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 2018-21 के दौरान 22.14 लाख डीजल गाड़ियों में से सिर्फ 24 फीसदी का टेस्ट हुआ, जबकि 65.36 लाख पेट्रोल/सीएनजी गाड़ियों में भी सिर्फ 1.08 लाख का ही सही टेस्ट हुआ है।

ममता बनर्जी की टीएमसी के लिए मुश्किल हुई लड़ाई

बंगाल में हुमायूं कबीर के साथ ओवैसी का गठबंधन

कोलकाता, एजेंसी। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन का एलान किया है। हुमायूं कबीर तृणमूल कांग्रेस से विधायक रहे हैं, लेकिन बीती साल टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था, जिसके बाद हुमायू कबीर ने नई पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी बनाने का फैसला किया।

हुमायूं कबीर का 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान

हुमायूं कबीर ने आगामी विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हुमायूं कबीर 15 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान भी कर चुके हैं। हुमायूं कबीर खुद रेजीनगर सीट से चुनाव लड़ेंगे। हुमायूं कबीर दो मुर्शिदाबाद जिले की दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे। जिनमें रेजीनगर के अलावा नौवाला सीट शामिल है।

ममता बनर्जी की ऐसे बढ़ी चिंता

पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता 85 सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं। ये सीटें राज्य के पांच जिलों में फैली हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं। ये जिले मुस्लिम बहुल हैं, जहां मुर्शिदाबाद में 66 फीसदी, मालदा में 51 फीसदी, उत्तरी दिनाजपुर में 49 फीसदी, बीरभूम में 37 फीसदी और दक्षिण 24 परगना में 35 फीसदी के करीब मुस्लिम आबादी रहती है।

मेट्रो एंकर बचे नक्सलियों के लिए अभी सोचने का वक्त है, वह समर्पण करके मुख्यधारा में आ सकते हैं

अगले एक हफ्ते में छग को पूरी तरह नक्सल मुक्त बनाना बड़ी चुनौती

बस्तर से राजेश सिरोठिया

बस्तर रेंज के आईजी और नक्सल ऑपरेशन विशेषज्ञ सुंदरराज पी का कहना है कि बचे सात दिन हमारे लिए कठिन चुनौती के हैं। उन्होंने कहा कि बचे खुचे नक्सलियों के लिए अभी भी सोचने का वक्त है कि वह समर्पण करके मुख्यधारा में आ सकते हैं। भोपाल से गए पत्र सूचना कार्यालय के दल में शामिल पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने दावा किया कि अब बस्तर में चार या पाँच छोटे दलम बचे हैं, जिनमें कुल

संख्या करीब चालीस है। बड़े नक्सलियों में सिर्फ पापा राव ही प्रमुख है। सुंदरराज ने उम्मीद जताई कि इस डेडलाइन के पहले ही बस्तर नक्सल मुक्त, हो जाएगा। बातचीत एसपी शलभ कुमार सिन्हा भी मौजूद थे जिन्होंने जंगल छोड़कर मुख्यधारा में लौटे माओवादियों के पुनर्वास की जानकारी दी।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डेढ साल पहले देश से माओवाद के खात्मे की इस साल 31 मार्च तक की डेडलाइन तय की थी। उसके बाद क्या होगा, उसका

नक्सल घटना संबंधी विवरण	वर्ष					
	2021	2022	2023	2024	2025	2026
मुठभेड़ में मारे गये नक्सली	51	30	20	217	256	26
गिरफ्तार नक्सलियों की संख्या	494	291	387	929	898	94

फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन सरेंडर या एनकाउंटर वाली रणनीति उन राज्यों में जारी रहेगी जहाँ कोई आत्मसमर्पण को राजी नहीं होगा।

सुन्दरराज बीते पाँच सालों से बस्तर की कमान संभाले हुए हैं। उनका कहना है बस्तर में चार हजार नक्सली थे। अब जो गिने चुने बचे हैं उनके खात्मे या सरेंडर तक हम पीछे नहीं हटेंगे। केंद्र और राज्य सरकार के दिशा निर्देशों के तहत काम होगा। फिलहाल गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के अनुसार देश को नक्सलमुक्त करने की टाइम लाइन पर छत्तीसगढ़ पुलिस का नक्सल ऑपरेशन जारी है। आईजी ने बीते ढेढ़ साल में मिली कामयाबियों का ब्योरा पेश करते हुए विस्तार के साथ आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि पापा राव को छोड़ बाकी सभी बड़े और इनामी नक्सली या तो मार दिए गए हैं या फिर सरेंडर कर चुके।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564